वर्ष : 27 | अंक : 66 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 25 फरवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

AAP के विधायक सस्पेंड

एलजी के अभिभाषण के दौरान हंगामा,मॉर्शलों ने निकाला बाहर

● शराब नीति पर कैग रिपोर्ट पेश

"दिल्ली विधानसभा में CAG की 14 में से एक रिपोर्ट आज पेश कर दी गई है। शराब नीति से जुड़ी इस रिपोर्ट को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पेश किया है। अभी इस तरह की 13 और रिपोर्ट पेश की जानी है। रिपोर्ट पेश करने के बाद स्पीकर विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि पूर्व की सरकार ने गैर संवैधानिक काम किया। हाईकोर्ट ने भी इस पर कड़ी टिप्पणी की थी। पिछली सरकार ने रिपोर्ट को दबाया और उसे पेश नहीं होने दिया।

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की मंगलवार की कार्यवाही हंगामे के साथ शुरू हुई। उपराज्यपाल वी.के.सक्सेना के अभिभाषण के बीच में ही आम आदमी पार्टी के विधायक हंगामा करने लगे। स्पीकर विजेन्द्र गुप्ता ने विपक्ष की नेता आतिशी समेत AAP के 13 विधायकों को विधानसभा से बाहर कर दिया और पूरे दिन के लिए निलंबित कर दिया। आप के विधायकों को मॉर्शलों ने बाहर निकाल दिया। जिसके बाद आप विधायक विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए।

एलजी वी.के.सक्सेना ने अपने अभिभाषण में कहा कि सरकार पांच प्रमुख चीजों पर काम करेगी जिसमें यमुना, प्रदूषण, भ्रष्टाचार मुक्त शासन, अनाधिकृत कॉलोनियों का नियमितकरण शामिल है। उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान बीजेपी विधायक 'मोदी-मोदी' के नारे लगाते नजर आए।

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना का अभिभाषण दिल्ली विधानसभा में चल रहा है। इस बीच आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया, जिसके बाद AAP के सभी 13 विधायकों को विधानसभा से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित किए गए विधायकों में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी व गोपाल राय भी शामिल हैं। आप के विधायक दिल्ली सरकार के कार्यालयों से डा. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर हटाए जाने के विरोध में हंगामा कर रहे थे।

क्या मोदी जी डा. अंबेडकर से बड़े हैं : आतिशी

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा, 'भाजपा ने कल पूरे देश को अपना असली चेहरा दिखाया। दिल्ली विधानसभा और दिल्ली सचिवालय स्थित दिल्ली के सीएम कार्यालय और सभी मंत्रियों के कार्यालयों से बाबा साहेब की तस्वीर हटाकर मोदी जी की तस्वीर लगा दी। भाजपा को लगता है कि मोदी जी बाबा साहेब से बड़े हैं और उनकी जगह ले सकते हैं। इसी भाजपा के बड़े नेता गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा था कि अंबेडकर-अंबेडकर बोलते रहते हैं। सिरसा जी के कार्यालय से, कपिल मिश्रा के कार्यालय से बाबा साहेब और भगत सिंह की तस्वीर हट गई है। इन्हें इस बात का जवाब देना होगा।'

महाशिवरात्रि पर प्रयागराज नो-व्हीकल जोन घोषित

महाकुंभनगर (ब्यूरो)। महाशिवरात्रि एवं महाकुंभ पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 25 फरवरी को अपराह्न 16ः00 बजे से मेला क्षेत्र और सायं 18ः00 बजे से कमिश्नरेट प्रयागराज नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस निर्णय का पालन करते हुए सुचारू यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधा में सहयोग करें। महाकुंभ में महा शिवरात्रि पर संगम में डुबकी लगाने के लिए बड़ीसंख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। महाकुंभ में अब तक 63.36 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

● श्रद्धालुओं के लिए स्नान घाटों का निर्धारण

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के दृष्टिकोण से प्रशासन ने प्रवेश मार्गों के अनुसार स्नान घाटों का निर्धारण किया है।

● झूसी से आने वाले श्रद्धालु

दक्षिणी झूसी के श्रद्धालु संगम द्वार ऐरावत घाट पर स्नान करें। उत्तरी झूसी के श्रद्धालु संगम हरिश्चंद्र घाट एवं संगम ओल्ड जीटी घाट का उपयोग करें।

● परेड क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालु

भरद्वाज घाट, नागवासुकी घाट, मोरी घाट, काली घाट, रामघाट, हनुमान घाट, अरैल घाट

● अरैल क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालु

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने प्रवेश मार्ग के निकटतम घाट पर स्नान करें ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके। (शेष पृष्ठ-3 पर)

महाशिवरात्रि पर विशेष अपील

26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर्व महाकुंभ के साथ पड़ने के कारण श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ की संभावना है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे यथाशीघ्र अपने निकटतम घाट पर स्नान करें और शिवालयों में दर्शन कर भीड़ को संतुलित बनाए रखने में सहयोग करें।

अपर्णा यादव के राम भजन से प्रफुल्लित हुए श्रद्धालु

महाकुंभनगर (ब्यूरो)। महाकुम्भ 2025 में गंगा पण्डाल में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में देश विदेश के विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई।

गंगा पण्डाल में अंतिम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन गीत संगीत एवं नृत्य के अनुपम संयोग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति के रूप में उप्र महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव ने अपने भजनों से पूरे पण्डाल को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपनी पहली प्रस्तुति के लिए उन्होंने श्री राम को समर्पित एक राम भजन गाया। अपनी अगली प्रस्तुति में उन्होंने सुप्रसिद्ध भजन 'शिव कैलासों के वासी' का भावपूर्ण प्रस्तुति देकर सभी को आनंदित कर दिया। भगवान श्री राम को समर्पित एक अन्य भजन 'जय जय हे भगवान, जय जय हे प्रभु राम' का भावपूर्ण प्रस्तुति किया।

कार्यक्रम की अगली प्रस्तुति के लिए पंडित ज्ञान प्रकाश घोष के शिष्य व देश के वरिष्ठ तबला वादक महागुरु व संगीत नाटक अकादमी द्वारा पुरस्कृत श्री अनिंदो चटर्जी ने तबले के पारंपरिक धुन से सभी को लुभाया। सबसे पहले तीन ताल मध्यम फिर उच्च में प्रस्तुति कर सभी श्रोताओं को आनंदित किया। उसके बाद कहरवा ताल में तबले और सारंगी के संयोजन से मंच को उत्कृष्टता प्रदान की।

योगी आदित्यनाथ व गजेन्द्र शेखावत 27 को ग्रेनो में

शारदा विवि में 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का करेंगे उदघाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शारदा विश्वविद्यालय में 27 फरवरी से तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू होगा। जिसके उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र शेखावत करेंगे। यह सम्मेलन 01 मार्च तक चलेगा। इस सम्मेलन का विषय होगा- 'विज्ञान, अध्यात्म और स्वास्थ्य: इंटर सेक्शंस की खोज।' इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रचारक तथा वरिष्ठ सदस्य (शेष पृष्ठ-3 पर)

झांसा देकर कार हड़पी

नोएडा (चेतना मंच)। सीबीआईसी डिपार्टमेंट में किराए पर गाड़ी लगवाने का झांसा देकर दो जालसाज भाइयों ने एक व्यक्ति से उसकी हुंडई वरना कार हड़प ली। दोनों आरोपियों ने कार के मेंटेनेंस के नाम पर पीड़ित से 97 हजार रुपए भी ले लिए। गाड़ी वापस मांगने पर दोनों आरोपियों ने कार मालिक को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर 24 में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर 12 के वाई ब्लॉक में रहने वाले चंदन कुमार सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पास हिमांशु कुमार राय आया और खुद को सीबीआईसी डिपार्मेंट दिल्ली का कर्मचारी बताया। हिमांशु कुमार ने बताया कि उसकी विभाग में अच्छी जान पहचान है और वह उनकी कार को किराए पर विभाग में लगवा सकता है। हिमांशु कुमार व उसके भाई सुधांशु कुमार राय के कहने पर वह अपनी वरना कार को विभाग में किराए पर लगवाने के लिए तैयार हो गया। चंदन कुमार के मुताबिक 12 जुलाई 2023 को हिमांशु राय व सुधांशु राय एक एग्रीमेंट तैयार करा कर लाए। एग्रीमेंट की शर्तों के अनुसार उनकी हुंडई वरना कार को सीबीएसई डिपार्टमेंट के अधिकारियों के परिवहन के लिए 28000 रुपए प्रतिमाह दो साल अवधि के लिए देने की बात तय हुई। दोनों भाई एग्रीमेंट की कॉपी उन्हें सौंप कर कार लेकर चले गए। चंदन कुमार के मुताबिक कुछ समय तक हिमांशु राय व सुधांशु ने उन्हें किराए के पैसे दिए लेकिन इसके बाद उन्होंने पैसे देने में आनाकानी शुरू कर दी। इस दौरान दोनों भाइयों ने उनसे कार में काम कराने तथा टायर आदि बदलवाने के नाम पर 97500 ले लिए। चंदन कुमार के मुताबिक काफी समय तक जब उन्हें किराए की रकम प्राप्त नहीं हुई तो वह सीबीआईसी डिपार्टमेंट पहुंचे।

जानकारी करने पर पता चला कि हिमांशु राय व सुधांशु राय ने फर्जी एग्रीमेंट तैयार करते हुए धोखाधड़ी से उनकी गाड़ी हड़प ली है। उनकी गाड़ी विभाग में कहीं भी कांटेक्ट बेस पर नहीं लगी थी। इसके बाद उन्होंने हिमांशु राय व (शेष पृष्ठ-3 पर)

ट्रांसफार्मर से तेल चोरी गांव में बिजली गुल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 126 क्षेत्र के ग्राम बख्तावरपुर गांव के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से चोरों ने तेल चोरी कर लिया। इस घटना में विद्युत ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे विभाग को लाखों रुपए की हानि हुई है। सेक्टर 126 स्थित विद्युत उपकेंद्र पर कार्यरत अवर अभियंता अमित कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 28 जनवरी की सुबह किसी व्यक्ति ने उन्हें फोन कर सूचना दी की ग्राम बख्तावरपुर में लाइट नहीं आ रही है। इसके बाद उन्होंने संविदा कर्मी लाइनमैन अमरपाल को पेट्रोलिंग के लिए भेजा। पेट्रोलिंग के दौरान लाइनमैन अमरपाल ने उन्हें बताया कि ग्राम बख्तावरपुर में ज्ञानश्री स्कूल के पास रखें 250 केवीए के ट्रांसफार्मर के वॉल्व को तोड़कर चोरों ने तेल चोरी कर लिया है। इस कारण (शेष पृष्ठ-3 पर)

मुठभेड में दो शातिर बदमाश दबोचे

लूट व चोरी के 6 मोबाइल, एक बाइक व असलाह बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया। एक बदमाश पुलिस की जवाबी फायरिंग में लंगड़ा हो गया।

थाना फेस-1 पुलिस द्वारा सेक्टर-15ए के पास चेकिंग की जा रही थी, तभी सेक्टर-16 की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर सवार 2 व्यक्ति आते दिखाई दिये जिन्हे पुलिस टीम द्वारा रूकने का इशारा किया गया तो वह नही रूके और अपनी मोटरसाइकिल वापस मोड़कर सेक्टर-16 की तरफ जाने वाले गंदे नाले की पटरी की तरफ भागने लगे।

पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर दोनो व्यक्तियों की मोटरसाइकिल हड़बड़ाहट में फिसलकर गिर गई और एक बदमाश द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में उपरोक्त बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जिसकी पहचान श्याम कुमार उर्फ बब्बल पुत्र प्रमोद महतो निवासी लखिमनिया, थाना लखिमनिया, जनपद बेगुसराय, बिहार वर्तमान पता जवाहर मोहल्ला, पटपड़गंज, थाना पांडव नगर, दिल्ली(26 वर्ष) के रूप में हुयी है। दूसरे बदमाश समीर अली पुत्र जाहिद अली निवासी शशि गार्डन, मोहल्ला पटपड़गंज, थाना पांडव नगर, दिल्ली (22 वर्ष) को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। बदमाशों के कब्जे से चोरी/लूट के 6 मोबाइल फोन, एक चोरी की मोटरसाइकिल स्पलेंडर रजि0नं0 डीएल 3 एस.ई.टी 2668 व अभियुक्त श्याम कुमार उर्फ बब्बल के कब्जे से एक अवैध तमंचा मय एक जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस बरामद किया गया है। घायल बदमाश को इलाज हेतु अस्पताल भेजा जा रहा है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

चेन स्नेचर मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। थाना साहिबाबाद पुलिस टीम द्वारा एक स्नैचर को मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार गिया गया है। इसके कब्जे से 01 तमंचा, 01 जिंदा कारतूस, 01 खोका कारतूस, लूट की गई 01 मोटरसाइकिल व स्नेचिंग की गई चेन को बेचकर प्राप्त 10,520/- रूपये बरामद।

थाना साहिबाबाद पुलिस टीम द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाऐ जा रहे अभियान के अंतर्गत टीम गठित कर रेलवे स्टेशन कट के पास सघन वाहन चेकिंग की जा रही (शेष पृष्ठ-3 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

दिमागी गंदगी पर सख्ती

पिछले दिनों एक विवादास्पद मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने संबंधित कानूनों के अनुपालन की जरूरत महसूस करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिये एडवाइजरी जारी की है। निस्संदेह यह वक्त की जरूरत है। दरअसल, हाल ही में एक यूट्यूबर की अभद्र टिप्पणी से पैदा हुए विवाद पर देशव्यापी प्रतिक्रिया हुई थी। केंद्र सरकार की पहल को शीर्ष अदालत के सख्त रुख के आलोक में देखा जा रहा है। पारिवारिक मूल्यों वाले भारतीय समाज में अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग करते हुए अमर्यादित व संवेदनहीन टिप्पणी के मामले गाहे-बगाहे प्रकाश में आते रहते हैं। यही वजह है कि इलाहाबादिया प्रकरण में कई राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज कर किए गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से राहत तो दी मगर सख्त टिप्पणी भी की थी कि वे दिमागी गंदगी को थोप रहे हैं, जिससे समाज शर्मसार हुआ है। लेकिन इस प्रकरण ने अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के नियमन की बहस को नये सिरे से शुरू कर दिया। हालांकि, आपातकाल के सीमित कालखंड को छोड़ दें तो देश में हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है। सुप्रीम कोर्ट समेत कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन आजादी के अतिक्रमण के बाद सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए संबंधित कानून के सभी प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। निस्संदेह, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के निर्धारण की आवश्यकता है। हाल के दिनों में डिजिटल मंचों पर अश्लीलता व हिंसक अभिव्यक्ति के चलते इनके नियमन की जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर पारिवारिक जीवन मूल्यों का अतिक्रमण करने वाली टिप्पणियों पर रोक जरूरी है। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता तो बहुत संभव है कि सरकारी निगरानी बढ़ जाए। दरअसल, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इस बाबत बनी संसदीय समिति से कहा है कि समाज में इस बात को लेकर रोष है कि अभिव्यक्ति की आजादी के संवैधानिक अधिकार का अतिक्रमण करके हिंसक व अश्लील सामग्री का प्रसारण किया जा रहा है। वहीं संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति का कहना है कि इसके नियमन के लिये कुछ कानून तो हैं लेकिन वर्जित सामग्री के नियमन के लिये नया प्रभावी कानून होना चाहिए। ऐसी राय देश के जनप्रतिनिधियों, अदालतों तथा कुछ वैधानिक संस्थाओं ने व्यक्त की है। देश की शीर्ष अदालत का मानना रहा है कि यूट्यूब जैसे मंचों पर सामग्री साझा करने पर नियंत्रण हेतु कानून निष्प्रभावी नजर आते हैं। अब नये मीडिया मंचों पर विवादास्पद सामग्री पर अंकुश लगाने के लिये कानून में संशोधन की भी बात कही जा रही है। इसकी वजह यह भी है कि परंपरागत प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तो इस बाबत बने कानून के दायरे में आते हैं, लेकिन नए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिये प्रभावी कानून नहीं है। निश्चित रूप से संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वहाँ (उस अवतार में) कश्यप और अदिति उनके माता-पिता हुए, जो दशरथ और कौसल्या के नाम से प्रसिद्ध थे। एक कल्प में इस प्रकार अवतार लेकर उन्होंने संसार में पवित्र लीलाएँ कीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एक कलप सुर देखि दुखारे। समर जलंधर सन सब हारे॥
संभु कीन्ह संग्राम अपारा। दनुज महाबल मरइ न मारा॥

एक कल्प में सब देवताओं को जलन्धर दैत्य से युद्ध में हार जाने के कारण दु:खी देखकर शिवजी ने उसके साथ बड़ा घोर युद्ध किया, पर वह महाबली दैत्य मारे नहीं मरता था॥

परम सती असुराधिप नारी। तेहिं बल ताहि न जितहिं पुरारी॥

उस दैत्यराज की स्त्री परम सती (बड़ी ही पतिव्रता) थी। उसी के प्रताप से त्रिपुरासुर (जैसे अजेय शत्रु) का विनाश करने वाले शिवजी भी उस दैत्य को नहीं जीत सके॥

दो0-छल करि टारेउ तासु ब्रत प्रभु सुर कारज कीन्ह।
जब तेहिं जानेउ मरम तब श्राप कोप करि दीन्ह॥

प्रभु ने छल से उस स्त्री का व्रत भंग कर देवताओं का काम किया। जब उस स्त्री ने यह भेद जाना, तब उसने क्रोध करके भगवान को शाप दिया॥

(क्रमश:....)

कितनी उचित है गंगाजल पर बयान बाजी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। विद्वानो का कहना है कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान कर लिया है। समापन तक यह संख्या करीबन 65 करोड़ पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होती है। भारत के ही नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा अर्चना की है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, सांसद, विधायक सहित देश के आम लोगों के मन में कुंभ स्नान के प्रति जो श्रद्धा देखी जा रही है। वैसी श्रद्धा इससे पहले शायद ही देखी गई होगी।

हालांकि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ के संगम तट पर भगदड़ मचने से करीबन 37 लोगों की भीड़ में दबकर मौत हो गई थी। इसी तरह कुंभ आने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर एकत्रित भीड़ में भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी जिसमें प्रशासनिक लापरवाही का भी बहुत बड़ा हाथ माना जा रहा है। हालांकि दोनों ही घटनाओं की उच्च स्तरीय जांच हो रही है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही असली दोषियों का पता चल सकेगा।

शांतिपूर्वक संपन्न हो रहे कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान कर रहे हैं। आने वाली महाशिवरात्रि पर यह संख्या कई गुना अधिक होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। जिसको लेकर बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही है। ताकि महाकुंभ में किसी तरह की दुर्घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रयागराज आकर महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान की तैयारी का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी चैकसी बरतने के निर्देश दिए हैं।

जहां एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी नहाने के योग्य नहीं है। सीपीसीबी ने इस रिपोर्ट को तीन फरवरी को तैयार किया था। रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सीपीसीबी ने नौ से 21 जनवरी के बीच प्रयागराज में अलग-अलग जगह पर गंगा-यमुना के 73 सैंपल जमा किए। इन सैंपलों की छह मानकों पानी

शांतिपूर्वक संपन्न हो रहे कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान कर रहे हैं।

का पीएच वैल्यू, फीकल कोलीफॉर्म, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन पर जांच की गयी। जितने भी जगहों से सैंपल लिए गए हैं उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाई गई है। बाकी के पांच मानकों पर पानी की गुणवत्ता मानक के मुताबिक मिली। सीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक 29 जनवरी को संगम पर गंगा में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 2300 पाई गई थी। 29 जनवरी को ही मौनी अमावस्या का पर्व था। इसे महाकुंभ में सबसे बड़ा अमृत स्नान माना गया है। उस दिन गंगा-यमुना में कई करोड़ लोगों ने डबकी लगाई थी।

महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवालो के बीच देश के जाने-माने वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए।

शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि गंगाजल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है। बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं।

डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 3 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक रिपोर्ट देकर बताया कि प्रयागराज संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके बाद यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 18 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक नई रिपोर्ट देकर सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट को झुठला दिया है। इस रिपोर्ट में बताया है कि नाले का पानी प्रयागराज की गंगा-यमुना नदी में सीधे तौर पर नहीं गिर रहा। कुल छह पॉइंट पर पानी नहाने लायक है। सिर्फ शास्त्री ब्रिज के नीचे पानी की गुणवत्ता थोड़ी बहुत सही नहीं है और इसके जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जा रही है।

हालांकि एनजीटी ने इस नई रिपोर्ट पर असंतोष जताया है। कहा कि अगर सेंट्रल की रिपोर्ट गलत है तो यूपी वाले एक्शन लें। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से गंगा-यमुना के पानी की गुणवत्ता पर एक हफ्ते में नई विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस पर अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी। दरअसल ये पूरा मामला उन 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है। जो महाकुंभ में संगम स्नान करने प्रयागराज आए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के श्रद्धालुओं पर संभावित असर को देखते हुए ही यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने नई रिपोर्ट बनाकर इसका जवाब दिया है।

गंगाजल की शुद्धता को लेकर राज्य और केंद्रीय पॉल्यूशन बोर्ड में जो खींचतान मची हुयी है उसका असर कुम्भ स्नान के लिये आने वाले लोगों पर नहीं देखा जा रहा है। आने वालों की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। लोगों की आस्था में कहीं कोई कमी नही देखी जा रही है। प्रयागराज के महाकुम्भ में करोड़ो लोगो ने स्नान किया है मगर किसी कोई दिक्कत होने की खबर नहीं मिली है। ऐसे में गंगाजल की शुद्धता को लेकर विवाद करने से अच्छा है जनभावनाओं का सम्मान करें।

-रमेश सर्राफ धमोरा

नेताओं का संकल्प और जनता का विकल्प (व्यंग्य)

गांव का नाम था आशावादीपुर, जहां हर चार साल में उम्मीदें हवा में तैरतीं, और ज़मीन पर गिरते ही चकनाचूर हो जातीं। इस बार का चुनावी माहौल बड़ा ही गरमागरम था। प्रत्याशी धर्मपाल वर्मा, जो हर बार अपने वादों से गांववालों को चकाचौंध कर देते थे, इस बार फिर तैयार थे। उनके प्रमुख वादे—हर घर में इंटरनेट, हर हाथ में टैबलेट, और हर गली में डामर की सड़क।

सभा में, धर्मपाल वर्मा की आवाज़ गूंज रही थी, भाइयों और बहनों, मैंने जो कहा, वो करके दिखाया। पिछली बार मैंने वादा किया था कि हर खेत तक पानी पहुंचेगा। पानी पहुंचा ना?

पीछे से एक बूढ़े किसान ने खांसते हुए कहा, हां, पानी पहुंचा था, लेकिन ट्यूबवेल के पाइप में, वो भी चुनाव के आखिरी दिन तक।

सभा में तालियां और ठहाके गूंज उठे। धर्मपाल जी मुस्कुराए, सिर्फ आलोचना से काम नहीं चलेगा। इस बार मैं गारंटी देता हूं कि आपकी गली चमचमाती सड़कों से भरी होगी।

गांव के एक युवा, शंभू, जो हमेशा धर्मपाल जी के भाषणों में चाय बेचता था, इस बार एक सवाल लेकर खड़ा हो गया, साहब, आपके भाषण में जो सड़कें हैं, वो हमारे गांव में क्यों नहीं दिखतीं? क्या वो भाषण में ही बनती हैं?

धर्मपाल जी ने अपने रुमाल से पसीना पोछा और जवाब दिया, सड़कें बन रही हैं, बेटा। देखना, अगली बार जब मैं आऊंगा, तो मेरी गाड़ी से धूल नहीं उड़ेगी।

चुनाव नज़दीक था, और वादों की बारिश हो रही थी। हर गरीब को पक्का मकान देंगे, हर बच्चे को शिक्षा मुफ्त। बिजली चौबीस घंटे और पानी

गांव के एक युवा, शंभू, जो हमेशा धर्मपाल जी के भाषणों में चाय बेचता था, इस बार एक सवाल लेकर खड़ा हो गया, साहब, आपके भाषण में जो सड़कें हैं, वो हमारे गांव में क्यों नहीं दिखतीं? क्या वो भाषण में ही बनती हैं?

सातों दिन!

गांववाले मन ही मन बोले, अगर ये सब होगा, तो फिर आशावादीपुर को सपनों का शहर बना दिया जाएगा।

धर्मपाल जी जीत गए। गांववालों ने मिठाई खाई, और फिर भूले नहीं, बल्कि सपनों को धूल खाते देखा। चुनाव के अगले दिन ही बिजली की लाइन काट दी गई। सरकारी काम में थोड़ी देरी होती है, अधिकारी ने कहा। सड़कें बनीं, लेकिन बारिश में बह गईं। पक्के मकान आए, लेकिन दीवारों पर दरारें थीं। हर हाथ में टैबलेट की जगह, हर हाथ में बिल थमा दिया गया।

धर्मपाल जी पांच साल बाद फिर लौटे। इस बार उनके वादे और बड़े थे। इस बार हर घर में हवाई जहाज और हर खेत में ड्रोन से सिंचाई!

गांववालों ने ठहाका लगाया, साहब, सड़कें तो पहले बनवा दीजिए, ड्रोन बाद में चलाएंगे।

सभा खत्म हुई, धर्मपाल जी गाड़ी में बैठे, और गाड़ी के ड्राइवर ने धीरे से कहा, साहब, गाड़ी का टायर इस सड़क पर फिर फंस गया। धर्मपाल जी चुपचाप आसमान की ओर देखने लगे।

गांववाले अब जानते थे कि वादे सिर्फ वादे हैं। लेकिन एक नई पीढ़ी तैयार हो रही थी, जो सवाल पूछने लगी थी। धर्मपाल जी इस बदलाव से घबरा गए। और गांव ने तय किया, अब चुनाव में कोई वादा नहीं, सिर्फ काम पर वोट मिलेगा।

अब गांव का नाम बदलकर हो गया—प्रश्नवादीपुर।

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',

राशिफल

फाल्गुन कृष्ण पक्ष द्वदशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान बहुत अच्छा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। बस मानहानि के संकेत हैं। थोड़ा बचके पार करिएगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बचके पार करिएगा। कोई रिस्क मत लीजिएगा। परेशानी वाला समय है। स्वास्थ्य पे ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्य विघ्न बाधा के साथ संपन्न होंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावनाओं को काबू में रखें। प्रेम में तू-तू मैं-मैं का संकेत है। बच्चों की सेहत को लेकर के मन परेशान रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
गृह कलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। प्रेम, संतान का साथ है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
धन में बढ़ोतरी लेकिन निवेश करेंगे तो घाटा भी लगेगा। प्रेम, संतान में सुधार। व्यापार भी अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जीवन में आगे बढ़ेंगे। जरूर के हिसाब से वस्तुएं जीवन में रहेंगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। मन परेशान रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे।

ग्रेटर नोएडा के प्रियांशु चमोली ने केबीसी में जीते 12.50 लाख रुपये

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर जीटा वन निवासी 19 वर्षीय प्रियांशु चमोली ने लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में शानदार प्रदर्शन करते हुए 12.50 लाख रुपये की धनराशि जीती। सोमवार को प्रसारित एपिसोड में प्रियांशु अपने माता-पिता के साथ पहुंचे थे।

प्रियांशु वर्तमान में आईआईटी दिल्ली में कंप्यूटर मैकेनिक्स में बी.टेक की पढ़ाई कर रहे हैं। उनका मूल निवास उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल में है। पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि और समर्पण का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपने पहले साल में तीन सहपाठियों को ट्यूशन देकर परीक्षा में उत्तीर्ण होने में मदद की थी।

केबीसी के मंच पर प्रियांशु ने बताया कि वह अपनी जीती हुई राशि को समाज की बेहतरी के लिए विकसित की जा रही तकनीकों में निवेश करना चाहते हैं। उनके पिता मनोज चमोली, जो डीपीएस ग्रेटर नोएडा में लाइब्रेरियन हैं, ने बताया कि प्रियांशु ने डीपीएस ग्रेनो से 10वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी की है।

प्रियांशु की इस उपलब्धि से उनके परिवार, मित्रों और संस्थान में खुशी की लहर है। उनकी सफलता ने युवाओं को मेहनत और ज्ञान के बल पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है।

प्रयागराज के महाकुंभ में गंगा यमुना में पवित्र स्नान करते नोएडा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अमरेश श्रीवास्तव एवं उनकी धर्मपत्नी तथा बेटी।

नेता की जीभ का जहर

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

मेरे एक मित्र ने प्रीतिभोज कराया
निमंत्रण में तमाम नामी गिरामी
लोगों को बुलवाया।
दावत के बाद कुत्ते जूठे पत्तलों को चाट रहे थे
लेकिन कुछ पत्तलों को अलग छांट रहे थे।
तभी एक पिल्ला दौड़ता हुआ आया उसने उन्ही
छंटे पत्तलों पर कब्जा जमाया।
उन्हें चाटने के बाद उसका पेट तो भर गया,
लेकिन बेचारा थोड़ी देर बाद
तड़प तड़प कर मर गया।
भोज में उपस्थित हमने एक पशु चिकित्सक से
उस पिल्ले के अचानक मरने का कारण पूछा
तो उन्होंने पिल्ले का पेट सहलाने
के बाद बताया कि-
इसने अवश्य किसी नेता का जूठा खाया है,
बेचारे ने अनजाने में अपनी जान गंवाया है।
डॉक्टर ने कहा कि वैसे तो हर नेता की नस-नस
में जहर होता है,
मगर उनकी जीभ के जहर में
ज्यादा ही कहर होता है।
जो भी प्राणी नेता की जीभ पर विश्वास करता है
वह इसी पिल्ले की तरह तड़प तड़प कर मरता है।

मोटापा एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या जीवनशैली में सुधार से कम होगा मोटापा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोटापा कम करने के अभियान का फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डी.के. गुप्ता ने किया स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटापा कम करने को लेकर शुरू किए गए अभियान का फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डीके गुप्ता ने स्वागत किया है।

डॉ डी.के. गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा मोटापे के खिलाफ शुरू किया गया यह अभियान लोगों को जागरूक करेगा और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। अगर लोग अपने खान-पान पर ध्यान दें और नियमित व्यायाम करें, तो मोटापे की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। मोटापा भारत में एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। खासकर युवा वर्ग तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है। उन्होंने बताया कि मोटापे का मुख्य कारण असंतुलित खान-पान और खराब जीवनशैली है। अधिक कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त भोजन का सेवन, जैसे कि चावल, रोटी, चीनी और तेल का अधिक मात्रा में उपयोग, मोटापे को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, फास्ट फूड और पैकेज्ड फूड का अत्यधिक सेवन भी मोटापे का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि जंक फूड, अधिक तेल, चीनी और कैलोरी युक्त भोजन का सेवन मोटापे को बढ़ाता है। नियमित व्यायाम न करने से शरीर में अतिरिक्त चर्बी जमा होती है। यदि परिवार में किसी को मोटापे की समस्या है, तो अगली पीढ़ी को भी इसका खतरा अधिक रहता है। खराब मानसिक स्वास्थ्य और अनियमित नींद चयापचय (मेटाबॉलिज्म) को प्रभावित करती है, जिससे वजन बढ़ता है। थायरॉयड, डायबिटीज और अन्य हार्मोनल समस्याएं मोटापे का कारण बन सकती हैं।

मोटापे के कम करने के लिए जरूरी है संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें। तेल और कैलोरी का सेवन सीमित करें। रोजाना कम से कम 30 मिनट की एक्सरसाइज करें, जैसे योग, वॉकिंग, रनिंग, और साइकलिंग। अधिक वजन होने पर डॉक्टर की सलाह लें और जरूरत पड़ने पर चिकित्सा उपचार अपनाएं। देर रात खाना खाने से बचें, समय पर सोएं और स्ट्रेस मैनेजमेंट करें। अत्यधिक मोटापे के मामलों में बैरिएट्रिक सर्जरी एक विकल्प हो सकता है। बता दे कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में मोटापे की गंभीर स्वास्थ्य समस्या पर चर्चा की और इसके नियंत्रण के लिए लोगों को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर आठ में से दूसरा व्यक्ति मोटापे की समस्या से जूझ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में दुनिया भर में 250 मिलियन से अधिक लोग मोटापे से ग्रस्त थे। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने खानपान में बदलाव लाएं और हर महीने खाने में 10 प्रतिशत कम तेल का उपयोग करें। उन्होंने लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए दूसरों को भी प्रेरित करें।

मोटापे के लक्षण

शरीर का वजन और चर्बी सामान्य से अधिक बढ़ जाना।
तेजी से सांस फूलना और कम ऊर्जा महसूस करना।
जोड़ों और घुटनों में दर्द।
रक्तचाप और शुगर लेवल में वृद्धि।
नींद से संबंधित विकार (स्लीप एपनिया)।

मोटापे से बचाव के उपाय

रोजाना हेल्दी डाइट लें और प्रोसेस्ड फूड से बचें।
दिनचर्या में एक्सरसाइज और योग को शामिल करें।
पानी अधिक मात्रा में पिएं और हाइड्रेटेड रहें।
पर्याप्त नींद लें और तनाव को कम करने के उपाय अपनाएं।
नियमित हेल्थ चेकअप कराएं ताकि वजन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखी जा सके।

नोएडा में कुमाऊँनी होली का आगाज

नोएडा (चेतना मंच)। जैसे जैसे होली नजदीक आ रहीं है विभिन्न संगठनों द्वारा होली के उत्सव मनाने शुरू हो गए हैं।

उत्तराखंड मूल के महिला संगठन पहाड़ी बांद के द्वारा ब्लोगर शीला पंत के निवास सेक्टर 52 नोएडा से कुमाऊँनी होली का आगाज पहाड़ी संस्कृति की बेश भूषा, गीतों एवं खानपान में बड़े भव्यता से किया गया। इसके बाद अब होली तक निरंतर समाज के अन्य लोगों के घर आगन में होली के रंगों को मनमोहक पहाड़ी नृत्य एवं गायन के माध्यम से आम जन मानस के तन मन में बिखेरा जाएगा द्य कार्यक्रम के दोरान विशेष रूप से आलू का गुटका एवं भांग के बीज की चटनी (पहाड़ी स्नेक्स) का नाश्ता कराया जाता है।

इस दौरान कमला पंत, रमेश चंद्र पंत , अचल पंत, बृजेश जोशी, अतुल जोशी, दीपा जोशी, चंद्र प्रसन्ना, पूजा पंत, गीता पंत, सुनैना जोशी, रमा पंत,कुमु भटनागर जोशी, संगीता भोज, सुनीता नयाल, बीना,चेतना पांडे, मेघा जोशी,दीपिका जोशी रेणुका जोशी आदि ने होली का आनंद लिया।

सुनील खारी बने राष्ट्रीय मंत्री

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा ने योगी सेवा फाउंडेशन के चेयरमैन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील खारी को महासभा का राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत किया गया है।

राष्ट्रीय मंत्री बनने पर सुनील खारी ने युवा गुर्जर महासभा के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि महासभा ने जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। बताते चलें कि सुनील खारी गत कई वर्षों से भाजपा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। वहीं, योगी सेवा फाउंडेशन के माध्यम से वे गरीबों की भी सहायता करते रहते हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

योगी आदित्यनाथ व...

डा. इन्द्रेश कुमार, इंदिरा गांधी कला केन्द्र के सदस्य सचिव, कार्यकारी तथा शैक्षिणक प्रमुख सच्चिदानंद जोशी, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ के महानिदेशक अभिजीत हलदर, उप्र सतर्कता आयोग तथा प्रशासनिक न्यायाधिकारण के पूर्व अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्य सचिव दीपक सिंघल, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. वाइस चांसलर प्रो. कपिल कपूर अपने विचार रखें। इस सम्मेलन में भारतीय जीवन दर्शन, स्वास्थ्य देखभाल में अध्यात्म सतत कल्याण और सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों एवं नैतिकताओं जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

झांसा देकर...

सुधांशु राय से अपनी गाड़ी तथा बकाया पैसों की मांग की तो वह गोल-गोल जवाब देने लगे। ज्यादा दवाब देने पर दोनों भाइयों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के मुताबिक 11 जुलाई 2024 को उसने पुलिस में शिकायती पत्र दिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने न्यायालय में याचिका दायर कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई। न्यायालय के निर्देश पर दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर 24 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

ट्रांसफार्मर से तेल...

विद्युत ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया है और आपूर्ति बाधित है। पुलिस का कहना है कि अवर अभियंता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और चोरों की तलाश की जा रही है।

महाशिवरात्रि पर...

आवश्यक सेवाओं को मिलेगी छूट

यातायात प्रतिबंधों के बावजूद, दूध, सब्जी, दवा, पेट्रोल/डीजल की आपूर्ति, एम्बुलेंस और सरकारी सेवाओं (पुलिस, डॉक्टर, प्रशासन) से जुड़े वाहनों के आवागमन पर कोई रोक नहीं रहेगी। इन आवश्यक सेवाओं के निर्बाध संचालन की व्यवस्था की गई है।

पांटून पुलों का संचालन भीड़ के अनुसार होगा

भीड़ नियंत्रण के लिए सभी पांटून पुलों का संचालन श्रद्धालुओं की संख्या और दबाव के आधार पर किया जाएगा। यदि किसी क्षेत्र में अत्यधिक भीड़ हो जाती है तो प्रशासन द्वारा वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराए जाएंगे।

श्रद्धालुओं से पुन: अपील की जाती है कि सभी घाटों को संगम के समान आध्यात्मिक महत्व प्राप्त है। इसलिए, कृपया यातायात और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने निकटतम घाट पर स्नान करें और दर्शन उपरांत शीघ्र अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करें।

मुठभेड में दो शातिर...

जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि बरामद हुए मोबाइल फोन में से एक मोबाइल फोन थाना फेस-1 नोएडा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 72/2025 धारा 304(2) बीएनएस व एक अन्य मोबाइल फोन थाना कल्यानपुरी, दिल्ली पर पंजीकृत ई एफईआर-80006048/24 धारा 379 आईपीसी से संबंधित है। बरामद हुयी चोरी की मोटरसाइकिल के सम्बन्ध मे ई-पुलिस स्टेशन एमवी थेप्ट दिल्ली पर मु0अ0सं0 017067/22 धारा 379 आईपीसी पंजीकृत है। अभियुक्त श्याम कुमार उर्फ बब्बल उपरोक्त के विरूद्ध पूर्व से विभिन्न थानों पर 8 मुकदमें तथा अभियुक्त समीर के विरूद्ध 02 मुकदमें पंजीकृत है। अभियुक्तों के अन्य अपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

चेन स्नेचर मुठभेड़...

थी तभी कुछ देर बाद एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार रेलवे अंडर पास की तरफ से आता हुआ दिखाई दिया जिसे पुलिस पार्टी द्वारा रोकने का इशारा किया गया तो वह रुका नहीं बल्कि रेलवे स्टेशन की तरफ मुड़कर तेजी से जाने लगा कुछ दूर आगे चलकर जल्दबाजी में वह बाइक ओवर ब्रिज के पास गिर गई एवं बाइक सवार व्यक्ति द्वारा अपने आप को घिरता देख पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया। जिससे पुलिस की जवाबी कार्यवाही में बदमाश के बाए पैर में गोली लगी। जिससे स्नैचर घायल हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश सुमित उर्फ भूरी उर्फ भूरा को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह अपने साथी विकास निवासी नंद नगरी दिल्ली के साथ मिलकर अलग अलग वाहन बदलकर चैन स्नेचिंग व मोबाइल स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम देता है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83,
नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

आरबीआई ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है

● इससे होम लोन व कार लोन और सस्ते होंगे ● महंगाई दर जल्द ही सीमा के अंदर आने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आने वाले महीनों में ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है। इससे अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद है। विकसित देशों के केंद्रीय बैंक महंगाई पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, लेकिन रिजर्व बैंक की प्राथमिकता फिलहाल विकास को बढ़ावा देना है। अलग ब्याज दरों में फिर से कटौती होती है तो इससे होम लोन, कार लोन आदि और सस्ते हो जाएंगे। साथ ही ईएमआई का बोझ भी कम होगा।

रिजर्व बैंक का मानना है कि महंगाई दर जल्द ही सरकार की ओर से तय सीमा के अंदर आ जाएगी। इसके लिए वह ब्याज दरों में कटौती के अलावा भी कई कदम उठा सकता है। ये बात मौद्रिक नीति समिति की हालिया बैठक के विवरण से पता चलती है। यह बैठक शुक्रवार को हुई। बता दें कि इस महीने 5 से 7 फरवरी तक एमपीसी की बैठक हुई थी।

25 बेसिस पॉइंट की हुई है कटौती- रिजर्व बैंक ने 7 फरवरी को मीटिंग में लिए गए फैसलों की घोषणा की थी। उस समय केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती की थी। यह अब 0.25 प्रतिशत कम होकर 6.25 प्रतिशत हो गया है। 5 साल में यह पहली बार था जब ब्याज दरों में कमी की गई। अब इसका असर दिखने लगा है। एसबीआई और पीएनबी समेत कई बैंक ब्याज दरें घटा चुके हैं और लोगों को सस्ता लोन मिल रहा है।

महंगाई पर कम पड़ेगा असर- एमपीसी ने यह भी संकेत दिया कि वैश्विक व्यापार चुनौतियों का महंगाई पर बहुत कम असर पड़ेगा। साथ ही, ऊंची वास्तविक ब्याज दरें कर्ज की लागत को और कम करने का मौका देती हैं। वास्तविक ब्याज दर का मतलब है, ब्याज दर और महंगाई दर के बीच का अंतर। अगर ब्याज दर ज्यादा है और महंगाई कम है तो वास्तविक ब्याज दर ऊंची होती है।

क्या है रिजर्व बैंक का प्लान?

एमपीसी के वे बाहरी सदस्य जो पिछली दो बैठकों में ब्याज दरों में कटौती के पक्ष में थे, उनका मानना है कि मौजूदा मौद्रिक नीति बहुत सख्त है। कर्ज वृद्धि दर में गिरावट को देखते हुए खपत और निवेश को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दरों में कमी करना जरूरी है। यानी रिजर्व बैंक आने वाले दिनों में ब्याज दरों में और कमी कर सकता है।

रेट कट का ये सबसे मुफीद समय- रिजर्व बैंक के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपनी पहली एमपीसी की बैठक में ब्याज दरों में कटौती का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात और महंगाई दर को देखते हुए यह ब्याज दरों में कमी करने का सही समय है। उनका मानना है कि कम ब्याज दरों से खेती-बाड़ी का विकास होगा, लोगों का खर्च बढ़ेगा, घरों में निवेश होगा और कंपनियां भी पूंजी निवेश करेंगी। इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस ने 'एशिया इंश्योरेंस रिव्यू' के साथ जीआईईए की लॉन्चिंग की घोषणा की

पुणे, एजेंसी। भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी में से एक बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस ने ग्लोबल इंश्योरेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स (जीआईईए) की लॉन्चिंग की घोषणा की, जिसका उद्देश्य एशिया, मिडल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका में जनरल इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस के एडवाइज़र्स के उत्कृष्ट योगदान को सराहना और सम्मानित करना है. इंडस्ट्री में विश्वसनीय नाम और इस इवेंट में पार्टनर, एशिया इंश्योरेंस रिव्यू (एआईआर), वर्ष 2025 के अवॉर्ड्स की देखरेख और संचालन करेगी, जिससे इवेंट की विश्वसनीयता और अधिक बढ़ गई है और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता भी जुड़ गई है. बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस द्वारा आयोजित इस इवेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर की इंश्योरेंस इंडस्ट्री के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एडवाइज़र्स को ग्यारह अलग-अलग अवॉर्ड कैटेगरी में सम्मानित किया जाएगा।

अवॉर्ड्स का मूल्यांकन इंटरनेशनल इंश्योरेंस इंडस्ट्री विशेषज्ञ के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया जाएगा, जिनके नाम इस प्रकार हैं- जीआईईए अवॉर्ड्स 2025 में, इंडस्ट्री की वास्तविक रीढ़ के रूप में इंश्योरेंस एडवाइज़र्स के असाधारण समर्पण, जुनून और कठोर परिश्रम को सम्मानित किया जाएगा. जीआईईए अवॉर्ड्स के लिए, जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर के एडवाइज़र्स को विभिन्न अवॉर्ड कैटेगरी में खुद को नामांकित करने, अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है. इन अवॉर्ड्स का उद्देश्य इंश्योरेंस सेक्टर में उनके शानदार योगदान को सम्मानित करना है, जो नागरिकों के साथ उनके सबसे चुनौतीपूर्ण समय में खड़े होकर समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. जीआईईए अवॉर्ड्स इंश्योरेंस एडवाइज़र के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाते हैं, जो सबसे अधिक ज़रूरी समय पर सच में बदलाव लाते हैं.

2025 के लिए जीआईईए अवॉर्ड की लॉन्चिंग पर, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, श्री तपन सिंघल ने कहा, एडवाइज़र्स इंश्योरेंस इंडस्ट्री के गुमनाम हीरो हैं, जो अपने कस्टमर के सबसे मुश्किल समय में उनके साथ खड़े रहते हैं, उन्हें मार्गदर्शन, सहायता और पूरा समर्थन प्रदान करते हैं. उनके योगदान पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है लेकिन सच यह है कि वे इंश्योरेंस सेक्टर की रीढ़ हैं, और उनके शानदार प्रयासों को सम्मानित करने का समय आ गया है. ग्लोबल इंश्योरेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स (जीआईईए) के साथ, हमारा उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहुंच और प्रभाव को बढ़ाकर उत्कृष्टता को पहचानने के लिए बेंचमार्क को बेहतर बनाना है।

अमेरिका की राह पर भारत...!

फूड ऑयल के आयात पर बढ़ा सकता है टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के निशाने पर हैं। कारण है उनका टैरिफ। उन्होंने भारत समेत दुनिया के लगभग हर देश पर टैरिफ लगाया है। ट्रंप का कहना है कि वह स्थानीय व्यापार को बढ़ाना देने के लिए ऐसा कर रहे हैं। भारत समेत दुनिया के कई देश भी ऐसा करते हैं। अब भारत भी अपने स्थानीय किसानों की मदद के लिए आगे आया है। जानकारी के मुताबिक

भारत वनस्पति तेलों के आयात पर टैक्स बढ़ा सकता है। रॉयटर्स के मुताबिक दो सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि भारत अपने हजारों तिलहन किसानों को घरेलू तिलहन कीमतों में गिरावट से राहत देने के लिए वनस्पति तेलों पर आयात टैक्स बढ़ा सकता है। अगर ऐसा होता है छह महीने से भी कम समय में दूसरी बार वनस्पति तेलों पर इंपोर्ट टैक्स बढ़ेगा। इस समय किसानों को वनस्पति तेल पर काफी नुकसान हो रहा है। इसलिए सरकार उनकी मदद करना चाहती है।

महंगा हो सकता है फूड ऑयल- भारत फूड ऑयल का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है। अगर भारत फूड ऑयल के इंपोर्ट टैक्स बढ़ाता है तो भारत को महंगी कीमत पर दूसरे देशों से यह तेल खरीदना होगा। क्योंकि नुकसान की भरपाई के लिए दूसरे देश तेल की कीमत बढ़ा देंगे। इससे भारत में यह तेल महंगा बिकेगा।

ज्वेलरी, राखियां, नेमप्लेट... इको-फ्रेंडली चीजें बनाकर महिला कर रही मोटी कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर शौक और हुनर को बिजनेस में बदला जाए तो सफलता मिलते देर नहीं लगती। ऐसा ही कुछ किया है ओडिशा की सुधारानी मरांडी ने। उन्होंने अपने बचपन के शौक को एक सफल कारोबार में बदल दिया है। वह घर के लिए इको-फ्रेंडली सजावटी सामान, ज्वेलरी, टिशू बॉक्स, फोटो फ्रेम, नेमप्लेट आदि बनाती हैं। वह इन प्रोडक्ट को ऑनलाइन और ऑफलाइन बेचती हैं। इससे उन्हें हर महीने मोटी कमाई हो रही है।

कॉलेज टाइम से शुरू की कमाई- सुधारानी को जब भी अपने पिता से जेब खर्च मिलता था, वह उस रकम को डेकोरेशन का सामान खरीदने में खर्च कर देती थीं। हालांकि उनके पिता को सुधारानी का यह काम पसंद नहीं आता था। वह जब ग्रेजुएशन में आईं तो अपने जुनून को इनकम का एक छोटा सा जरिया बना लिया। कॉलेज के दिनों में वह इको-फ्रेंडली डेकोरेटिव चीजें बनातीं और उन्हें अपने फ्रेंड्स और जानकारों को बेच देती थीं। इसे उन्हें हर महीने करीब एक हजार रुपये की कमाई हो जाती थी।

शुरू किया खुद का ब्रांड- अपने इस हुनर को आगे बढ़ाते हुए सुधारानी ने अपना ब्रांड बनाया और इसका नाम उन्होंने झुनुक क्राफ्ट्स रखा। आज वह अपने इसी ब्रांड्स के अंतर्गत सारी चीजें बनाती हैं। इनका यह ब्रांड एमएसएमई में रजिस्टर्ड है। वह इको-फ्रेंडली गिफ्ट आइटम

विप्रो वाले अजीम प्रेमजी ने 9 कंपनियों पर लगाया है दांव

मुंबई एजेंसी। अजीम हाशिम प्रेमजी को तो जानते ही होंगे। वह मशहूर सॉफ्टवेयर कंपनी विप्रो के चेयरमैन थे। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक उनका नेटवर्थ 35.9 बिलियन डॉलर बताया जाता है। उनकी इनवेस्टमेंट कंपनी प्रेमजी इन्वेस्ट , ने बीते शुक्रवार को ओपन मार्केट में नौ कंपनियों के ढेरों शेयर खरीदे। इनमें भारती एयरटेल, जिंदल स्टील एंड पावर और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इस सौदे की कुल कीमत 446 करोड़ रुपये रही। अन्य छह कंपनियों में अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन, अंबुजा सीमेंट्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, आइसीआइसीआइ बैंक, इंफोसिस और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस शामिल हैं।

किस कंपनी के कितने शेयर खरीदे- पीटीआई के मुताबिक प्रेमजी इन्वेस्ट ने अपनी सहयोगी कंपनी के माध्यम से ये शेयर खरीदे हैं। इस सौदे में भारती एयरटेल के 5.44 लाख शेयर,

जिंदल स्टील पावर के 9.72 लाख शेयर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के 5.70 लाख शेयर खरीदे गए। इंफोसिस के 3.28 लाख शेयर भी इस सौदे का हिस्सा रहे। ब्लॉक डील के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

और कौन सी कंपनी में कितने शेयर- इनके अलावा, आइसीआइसीआइ बैंक के 3.33 लाख शेयर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के 8.13 लाख शेयर, अंबुजा सीमेंट्स के 5.14 लाख शेयर भी खरीदे गए। एपीएसइजेड के 1.09 लाख शेयर और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के 84,375 शेयर भी प्रेमजी इन्वेस्ट ने अपने पोर्टफोलियो में जोड़े। ये शेयर 477.2 रुपये से लेकर 1,807.15 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर खरीदे गए। इस तरह कुल सौदे की कीमत 446.38 करोड़ रुपये हुई।

इन कंपनियों के शेयर बेचे- दूसरी तरफ, तारिश इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी ने इन नौ कंपनियों के शेयर बेचे। यह कंपनी हशम इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी से जुड़ी है। हशम इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी, सेबी के साथ रजिस्टर्ड वेंचर कैपिटल फंड्स को निवेश सलाहकार सेवाएं देती है। इसकी मूल कंपनी अज़ीम प्रेमजी ट्रस्टी कंपनी है, जिसके मुख्य प्रमोटर खुद अज़ीम प्रेमजी हैं।

शुक्रवार को इनमें गिरावट- बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में कुछ कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई।

अमीरों को लगा झटका

दुनिया में मस्क के बाद सबसे ज्यादा घटी अदाणी की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर के शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल के कारण इस साल अब तक शीर्ष अमीरों की संपत्तियों में भारी गिरावट आई है। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी की संपत्ति में टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क के बाद दूसरी सबसे बड़ी गिरावट देखी गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, दुनिया के 23वें सबसे अमीर कारोबारी गौतम अदाणी की संपत्ति 11.9 अरब डॉलर घटकर 66.8 अरब डॉलर रह गई है। इस दौरान मस्क की संपत्ति में 35.2 अरब डॉलर की कमी आई है और अब उनकी संपत्ति 397.3 अरब डॉलर है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से मस्क की संपत्ति में काफी तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली थी और यह 400 अरब डॉलर के पार पहुंच गई थी।

शिव नाडर को 4.53 अरब डॉलर व अंबानी को 2.9 अरब डॉलर का झटका- ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति में भी इस साल बड़ी गिरावट आई है।उनकी संपत्ति 2.9 अरब डॉलर घटकर 87.7 अरब डॉलर रह गई।एचसीएलटेक के संस्थापक शिव नाडर की संपत्ति में 4.53 अरब डॉलर की कमीआई है। अब उनकी संपत्ति 38.6 अरब डॉलर रह गई है।

धोनी के बालों की स्ट्रेटजी, जो आप बेशक जानना चाहेंगे!

मुंबई, एजेंसी। जब पावर कपल एमएस धोनी और साक्षी एक साथ आते हैं, तो आपको पता चल जाता है कि कुछ खास होने वाला है - इस बार, यह अवसर स्वाभाविक रूप से शानदार दिखने के लिए है, जिसका श्रेय गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स को जाता है! अपने नवीनतम टीज़र में, उनके बीच की चंचल नोक-झोंक ने सुर्खियां (और आपका दिल) चुरा ली। जब साक्षी धोनी को उनके अंतहीन कैंडिड इंटरव्यू को लेकर चिढ़ाती हैं, तो वह खुद को यह बताने से नहीं रोक पातीं कि कैसे किसी ने हाल ही में उनसे पूछा था कि वह 43 साल की उम्र में भी 30 साल के कैसे दिखते हैं। उनका जवाब? बालों का कलर और दाढ़ी का कलर। लेकिन रुकिए-साक्षी तुरंत बताती हैं कि वह ही उनके बालों को रंगती है, ताकि क्रेडिट गेम में पीछे न रहे! इसलिए, जब वह उनसे पूछती हैं, आप कौन सा रंग इस्तेमाल करते हैं?, तो धोनी अपनी चिरपरिचित मुस्कान बिखेरते हुए, बिल्कुल धोनी स्टाइल में कहते हैं। मैं अभी अपने सभी सीक्रेट्स नहीं बता सकता। हम सभी ने क्रिकेट के मैदान पर एमएस धोनी के शांत, सोचसमझकर लिए गए निर्णय देखे हैं! लेकिन जब बात उनके बालों की आती है।

नई सिविल एविएशन पॉलिसी के तहत मध्य प्रदेश सरकार हर 45 किमी पर हेलिपैड और हर 150 किमी पर हवाई अड्डा का करेगी निर्माण

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी नई सिविल एविएशन पॉलिसी के तहत राज्य में एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस नीति के तहत हर 45 किलोमीटर की दूरी पर हेलिपैड और हर 150 किलोमीटर पर

एक नया हवाई अड्डा बनाया जाएगा। इससे राज्य में हवाई यात्रा को बढ़ावा मिलेगा और व्यापार व पर्यटन को गति मिलेगी। राज्य सरकार एयरलाइंस को आकर्षित करने के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहन भी देगी। मध्य प्रदेश को अन्य राज्यों से जोड़ने वाली प्रत्येक नई घरेलू उड़ान के लिए सरकार 7.50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देगी। नई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए विमानन कंपनियों को 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इंदौर, उज्जैन और ओंकारेश्वर को हेलीकॉप्टर सेवाओं से जोड़ने के लिए जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे। इससे इन महत्वपूर्ण धार्मिक और व्यापारिक केंद्रों तक पहुंच आसान होगी। इस कदम से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी, जिससे पर्यटन और व्यावसायिक यात्रा को बढ़ावा मिलेगा। यात्रा का समय भी घटेगा, जैसे भोपाल से इंदौर की हवाई यात्रा मात्र 55 मिनट में पूरी हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि विकसित इंफ्रास्ट्रक्चर और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण मध्य प्रदेश एक प्रमुख एयर कार्गो हब बन सकता है। इसकी क्षमता को देखते हुए, राज्य में 20 से अधिक आधुनिक कार्गो टर्मिनल स्थापित किए जा रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार और माल परिवहन को सुविधाजनक बनाएंगे। इस नीति से राज्य में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। होटल, परिवहन, विमानन प्रशिक्षण संस्थान, ग्राउंड स्टाफ और पायलट जैसे क्षेत्रों में नौकरियां बढ़ेंगी।

सनम तेरी कसम दोबारा रिलीज के बाद भी चार्ट्स पर सुपरहिट

मुंबई, एजेंसी। सनम तेरी कसम, जो एक पसंदीदा रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, 7 फरवरी 2025 को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह इसकी पहली बार हुई रिलीज के नौ साल पूरे होने का खास मौका था। पहली बार जब यह रिलीज हुई थी, तब बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। लेकिन समय के साथ, फिल्म को एक खास फैनबेस मिला, जहां लोग इसकी भावनात्मक कहानी और सुरीले संगीत से गहराई से जुड़ गए।

फिल्म की बढ़ती लोकप्रियता के कारण, फैंस ने इसकी दोबारा रिलीज की मांग की, क्योंकि उन्हें लगा कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर एक और मौका पाने के लायक है। सनम तेरी कसम की फिर से रिलीज ने पूरे भारत में धूम मचा दी, यह साबित करते हुए कि फैंस की ताकत किसी भी फिल्म को रातो- रात सुपरहिट करा सकती है। कई महीनों से फैंस फिल्म के मुख्य अभिनेता हर्षवर्धन राणे को मैसेज कर रहे थे और इस पसंदीदा रोमांटिक ड्रामा को दोबारा रिलीज करने की मांग कर रहे थे। जिस वजह से 23 जनवरी 2025 को राणे ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और फैंस से कहा कि वे प्रोड्यूसर्स को टैग करें और अपनी बात जोर से रखें। इसका नतीजा जबरदस्त रहा। राणे की पोस्ट पर 40,000 से ज्यादा कमेंट्स आए, जिसमें फैंस ने फिल्म को दोबारा रिलीज करने पर जोर दिया। फैंस की इतनी बड़ी मांग देखकर प्रोडयूसर्स को यकीन हो गया और उन्होंने सनम तेरी कसम को फिर से बड़े पर्दे पर लाने का फैसला किया। फिल्म के दोबारा रिलीज होते ही, यह बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

एनपीएस बाय प्रोटीयन ऐप में बड़ा सुधार : युवा निवेशकों के लिए और भी आसान होगी रिटायरमेंट प्लानिंग

-ऐप पुराने और नए एनपीएस खाताधारक के लिए होगा उपलब्ध

- नया ऐप दोनों एंड्राइड और आईओएस उपभोक्ताओं को मिलेगा

मुंबई, एजेंसी। प्रोटीयन ईगव टेक्नोलॉजिस लिमिटेड, (पूर्व में -एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर) नेशनल पेंशन स्कीम और अटल पेंशन योजना के खातों को संचालित करने वाली सबसे बड़ी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) ने अपने पेंशन मैनेजमेंट ऐप - 'एनपीएस बाय प्रोटीयन' को एक नया स्वरूप देते हुए इसमें कई नई विशेषताएं जोड़ी हैं, ख़ास तौर पर आज की डिजिटली जागरूक नयी पीढ़ी के लिए जिसमें कई नए फीचर भी हैं। चाहे आप पहले से एनपीएस से जुड़े हैं या अपना रिटायरमेंट प्लानिंग का सफ़र एनपीएस के साथ अभी शुरू कर रहे हों, यह नया ऐप आपको एक स्थान पर सभी समाधान देगा। दोनों एंड्राइड और आईओएस ग्राहकों के लिए उपलब्ध उए नया आप बेहद यूजर फ्रेंडली इंटरफेस देने के साथ ही इंट्युइटिव नेविगेशन और बेहतर सुरक्षा फीचर्स देगा।

आज की पीढ़ी के युवाओं के लिए ख़ास तौर पर बनाया गया ये ऐप उनके लिए नया एनपीएस खाते बनाने, उसमें कॉन्ट्रिब्यूशन देने और उसका प्रबंधन करने की प्रक्रिया को पहले से कई गुना आसान बनाएगा। इस अवसर पर प्रोटीयन ईगव टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री सुरेश सेठी ने बताया कि, प्रोटीयन में हमारा लक्ष्य यही है कि हम समाज के सभी वर्गों को शामिल करते हुए उन्हें वित्तीय प्रबंधन की मुख्य धारा से जोड़ें। 2024-25 के बजट के माध्यम से सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि वह पेंशन स्कीम को देश के कोने-कोने तक पहुंचाना चाहते हैं।

नेशनल पेंशन सिस्टम और अटल पेंशन योजना की सबसे बड़ी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी होने के नाते हम इसे क्षेत्र में अपना विस्तार करने के एक सुनहरे अवसर के रूप में देखते हैं। हमारे ऐप का यह नया और बेहतर वर्जन एक ऐसे समय पर आया है जब भारत के युवा अपने निवेश को अलग-अलग क्षेत्रों में डायवर्सिफाय कर रहे हैं और अपना रिटायरमेंट भी जल्दी प्लान करना शुरू कर रहे हैं। यह नया ऐप ग्राहकों को अपनी नए युग की डिजिटल ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया, गोल प्लानिंग और सरल लॉग इन के साथ-साथ कई नवीन सुविधाओं का एक सहज अनुभव प्रदान करेगा।

भारतीयों के लिए पेंशन मैनेजमेंट के क्षेत्र में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभर रहा एनपीएस बाय प्रोटीयन ऐप का उद्देश्य है नेशनल पेंशन सिस्टम में लोगों की भागीदारिता को बढ़ावा देना, और इसके प्रबंधन को आसान बनाना।

इंदौर में 32वां अंतरराष्ट्रीय मैनेजमेंट कॉन्क्लेव 2025

दृष्टिकोण और नवाचार

इंदौर, एजेंसी। इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन ने 32वें अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन 2025 का सफल उद्घाटन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में किया, जिसमें 3,000 से अधिक उद्योग जगत के नेता, उद्यमी, नीति निर्धारक, अर्थशास्त्री और अकादमिक एवं छात्र एकत्र हुए, और व्यापार के विकास, वित्तीय उन्नति, नेतृत्व रणनीतियों और भारत की वैश्विक आकांक्षाओं पर परिवर्तनकारी चर्चाएँ कीं।इस वर्ष का थीम उद्यामेना ही सिद्धयंती (स्ट्राइव, ड्राइव और थ्राइव) था, जिसे डॉ. संदीप आत्रे ने स्पष्ट रूप से समझाया, जिसमें उन्होंने आज के गतिशील व्यापारिक वातावरण में प्रयास और उपलब्धि की महत्ता पर जोर दिया। सम्मेलन की शुरुआत एक आध्यात्मिक और शास्त्रीय छाप के साथ हुई, जिसमें सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन हुआ। आईआईएम इंदौर के निदेशक और इंदौर प्रबंधन संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु राय ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारत के उज्जवल भविष्य की बात की। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जो स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और उच्च कुशल कार्यबल द्वारा संचालित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जैसे कि अस्थिरता, अप्रत्याशितता, गैर-रेखीयता और अप्रत्यक्षता , लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता में कठिन कार्य की महत्ता पर जोर दिया। भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत कुशल श्रम में दुनिया का नेतृत्व करेगा। एआई और बायोटेक भारत की सुपर-एडवांस्ड स्वास्थ्य सेवा को चलाएंगे। भारत एक वैश्विक आईटी महाशक्ति बनेगा।

बुमराह को भारत /पाकिस्तान मैच से पहले आईसीसी पुरस्कारों से किया गया सम्मानित

दुबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को रविवार को यहां भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी मैच शुरू होने से पहले आईसीसी के साल 2024 के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिसमें वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार भी शामिल है।

बुमराह पीठ में चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। बुमराह को इन दोनों पुरस्कारों के अलावा 2024 के लिए पुरुष टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों में जगह बनाने के लिए 'टीम कैप (टोपी)' भी सौंपी गई। आईसीसी ने इन चार पुरस्कारों में से प्रत्येक के साथ इस 31 साल के खिलाड़ी की तस्वीरें साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'जसप्रीत बुमराह को शानदार 2024 के लिए आईसीसी पुरस्कार और वर्ष की टीम कैप प्राप्त हुई।'

बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले रविवार को अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के अपने साथियों से भी मुलाकात की थी। बुमराह के लिए पिछला टेस्ट सत्र शानदार रहा था। उन्होंने 13 मैचों में 71 विकेट लिए थे। साल 2024 में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास इंग्लैंड के गस एटकिंसन का था। जिन्होंने 11 मैचों में 52 विकेट लिए थे। बुमराह ने 2024 में टेस्ट में 14.92 की औसत से विकेट चटकाये और साल का अंत 30.1 के स्ट्राइक रेट के साथ किया। वह इस दौरान कपिल देव, अनिल कुंबले और रविचंद्रन अश्विन के बाद एक कैलेंडर वर्ष में खेल के पारंपरिक प्रारूप में 70 या अधिक विकेट लेने वाले केवल चौथे भारतीय गेंदबाज बने।

इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल की शुरुआत में घरेलू श्रृंखला में उन्होंने पांच टेस्ट में 19 विकेट लिये जबकि साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने इतने ही टेस्ट मैचों में 32 सफलता हासिल की। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बुमराह टेस्ट में 200 विकेट के आंकड़े तक भी पहुंचे। लाल गेंद से अपने बेजोड़ प्रदर्शन के अलावा, बुमराह ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह इस वैश्विक प्रतियोगिता में 15 विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज बने।

अजहरुद्दीन का रिकॉर्ड टूटा, कोहली सबसे अधिक कैच लपकने वाले भारतीय बने

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए मैच में वनडे में सबसे अधिक कैच लेने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 46.4 ओवर में नसीम शाह का कैच लेकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन का रिकॉर्ड तोड़ा जो इससे पहले वनडे में सबसे ज्यादा कैच लपकने वाले भारतीय थे।

कोहली के वनडे में कुल 158 कैच हो गए हैं जो किसी भी भारतीय क्रिकेटर द्वारा लिए गए दो कैच अधिक हैं। अजहरुद्दीन 156 कैच के साथ लिस्ट में दूसरे स्थान पर है। इस लिस्ट में तीसरा नम्बर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का है जिन्होंने वनडे में कुल 140 कैच लपके हैं। चौथे और पांचवें नम्बर पर राहुल द्रविड़ और सुरेश रैना आते हैं जिन्होंने क्रमशः 124 और 102 कैच लिए हैं।

भारत के लिए क्षेत्ररक्षक के रूप में सबसे अधिक कैच (वनडे)

158 विराट कोहली *
156 मोहम्मद अजहरुद्दीन
140 सचिन तेंदुलकर
124 राहुल द्रविड़
102 सुरेश रैना

केवल महेला जयवर्धने (218) और रिकी पोंटिंग (160) ने सभी टीमों में अधिक आउटफील्ड कैच लिए हैं।

मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सऊद शकील (62) के अर्धशतक के बाद खुशदिल शाह 38 रन की पारी की बदौलत 2 गेंदें रहते 10 विकेट के नुकसान पर 241 रन बनाए। कुलदीप ने तीन विकेट झटके जबकि हार्दिक पांड्या के नाम दो विकेट रहे।

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद रोहित का संन्यास लेना तय : मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा खेल को अलविदा कह सकते हैं। रोहित ने पहले ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। पिछले कुछ समय से वह एक भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर संन्यास लेना रहेगा। उनकी उम्र भी 37 वर्षीय हो गयी है। ऐसे में वह जानते हैं कि भविष्य की योजनाओं में वह शामिल नहीं रहेंगे। जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से भारतीय टीम पहले ही बाहर हो गयी है। अगला आईसीसी एकदिवसीय टूर्नामेंट साल 2027 में है और उसमें अभी ढाई साल साल का समय है तब तक रोहित 40 के करीब हो जाएंगे और उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं होगी। इसी को देखते हुए मांजरेकर ने कहा है कि रोहित के लिए चैंपियंस ट्रॉफी अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है।

वह पिछले एक दशक से टीम के सलामी बल्लेबाज रहे हैं पर अब अच्छा दौर समाप्त हो गया है। रोहित ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने के इरादे से झाल में घरेलू क्रिकेट भी खेला था पर इसके बाद भी उन्हें कोई लाभ होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में पूर्व दिग्गजों का मानना है कि चैम्पियंस ट्रॉफी उनका अंतिम टूर्नामेंट रहेगा। आगे की राह उनके लिए आसान नहीं है। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित ने स्वयं बोर्ड को ये बात बता दी है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के बाद नए कप्तान पर विचार कर करें। मांजरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि साल 2027 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप तक वह रहेंगे। ऐसी संभावना काफी कम है। मांजरेकर ने कहा कि रोहित को अपने दिमाग को खुला रखना चाहिये और ये नहीं सोचना चाहिए कि ये उनका आखिरी प्रदर्शन या कुछ और है। उन्हें इस टूर्नामेंट में बहुत अच्छी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहिये।

भारतीय पुरूष टीम ने एफआईएच प्रो लीग में आयरलैंड को 4.0 से हराया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने आयरलैंड पर अपना दबदबा कायम रखते हुए एफआईएच प्रो लीग में शनिवार को रिटर्न चरण के मैच में 4.0 से जीत दर्ज की। भारत की प्रो लीग में आयरलैंड पर यह लगातार दूसरी जीत है। पहले चरण में शुक्रवार को भारत ने 3.1 से जीत दर्ज की थी।

भारत के लिये नीलम संजीप सेस (14वां मिनट), मनदीप सिंह (24वां), अभिषेक (28वां) और शमशेर सिंह (34वां) ने गोल किये। आयरलैंड ने अच्छी शुरूआत करते हुए नौवे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन गोल नहीं हो सका।

नीलम ने 14वें मिनट में अमित रोहिदास के पास पर फील्ड गोल किया। उन्होंने दाहिने कॉर्नर से हवा में आती हुई

गेंद लपकी और दो डिफेंडरों को छकाते हुए शॉट लगाया जो पोस्ट से टकरा गया लेकिन उन्होंने सही पोजिशन से रिबाउंड पर उसे गोल के भीतर डाला।

भारत को 17वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन दोनों बार आयरलैंड के गोलकीपर जैमी कार ने नीलम को कामयाबी नहीं मिलने दी। भारतीय टीम कप्तान और ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के बिना खेल रही थी जिन्हें आराम दिया गया था। भारत को 24वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर मनदीप ने अमित रोहिदास की फ्लिक पर वैरिएशन पर गोल किया।

अभिषेक ने चार मिनट बाद भारत की बढ़त तिगुनी कर दी। मिडफील्ड में उन्होंने गेंद पर कब्जा किया और गेंद मनदीप को सौंपी जिनका शॉट कार ने बचा लिया। रिबाउंड पर गेंद रोहिदास के पास गई जिनका शॉट भी आयरिश गोलकीपर ने बचाया लेकिन अभिषेक ने सही जगह से गेंद को गोल के भीतर डाल दिया। शमशेर ने 34वें मिनट में चौथा गोल किया। भारत ने 58वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर गंवाया लेकिन फिर शानदार बचाव भी किया। अब भारतीय टीम 24 फरवरी को इंग्लैंड से खेलेगी।

हेनरी, गौड़ ने यूपी वारियर्स को सत्र की पहली जीत दिलाई, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

बेंगलुरू। चिनेले हेनरी (62) ने टूर्नामेंट के सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि क्रांति गौड़ और ग्रेस हैरिस ने चार चार विकेट लिये जिसके दम पर यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र में पहली जीत दर्ज करते हुए शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 33 रन से हराया। वेस्टइंडीज की हेनरी ने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 62 रन बनाये जिससे यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 177 रन बनाये। जवाब में दिल्ली की टीम 19.3 ओवर में 144 रन ही बना सके। 21 वर्ष की गौड़ ने दिल्ली के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों शेफाली वर्मा (24), मेग लैनिंग (पांच), जेमिमा रौड्रिग्स (56) और बाद में जेस जोनासेन (पांच) को आउट किया। उन्होंने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट चटकाये। इससे पहले एक समय पर यूपी के छह विकेट 14 ओवर में 91 रन पर गिर चुके थे। वेस्टइंडीज की दाहिने हाथ की बल्लेबाज हेनरी ने अरूंधति रेड्डी को 19वें ओवर में तीन छक्के लगाकर 18 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने गुजरात जाइंट्स की सोफिया डंकली के रिकॉर्ड की बराबरी की जिन्होंने 2023 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ यह कारनामा किया था। आठवें नंबर पर उतरी हेनरी की इस पारी के दम पर यूपी ने दमदार स्कोर बनाया जबकि उसके विशेषज्ञ बल्लेबाज कुछ कर पाने में नाकाम रहे थे। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की ताजा पिच पर दिल्ली के गेंदबाजों ने यूपी के छह विकेट 89 रन पर निकाल दिये थे। यूपी के लिये किरण नवगिरे ने 20 गेंद में 17 रन बनाये। इससे पहले मरियाने काप ने वृंदा दिनेश (चार) को सस्ते में आउट किया।

सौरव गांगुली की जिंदगी पर बन रही बायोपिक

मुंबई। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जिंदगी पर बायोपिक बनने जा रही है। फिल्म को लेकर खुद सौरव गांगुली ने यह खुलासा किया है कि उनकी भूमिका कौन निभाने वाला है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने बताया कि राजकुमार राव उनकी बायोपिक में लीड रोल हालांकि, फिल्म की शूटिंग और डेट्स को लेकर कुछ अड़चनें हैं, जिसके कारण इसे पूरा होने में एक साल से ज्यादा का समय लग सकता है। सौरव गांगुली भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले हैं और अपने इंटरनेशनल करियर में 18,575 रन बनाए। दादा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने कई यादगार जीत हासिल कीं, जिनमें 2003 का वर्ल्ड कप फाइनल भी शामिल है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष बने। इसके अलावा, उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण के साथ बीसीसीआई की तकनीकी समिति में भी काम किया। वहीं, अगर राजकुमार राव की फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। इसके अलावा, राजकुमार राव 'मालिक' नाम की फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसे कुमार तौरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। सौरव गांगुली की बायोपिक की आधिकारिक घोषणा और फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है।

रूस की किशोरी मीरा एंड्रीवा ने दुबई ओपन का खिताब जीता

दुबई। रूस की 17 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में क्लारा टौसन को 7-6 (1), 6-1 से हराकर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब हासिल किया। इस जीत से एंड्रीवा का अगले सप्ताह विश्व रैंकिंग में पहली बार शीर्ष 10 में शामिल होना सुनिश्चित हो गया है। वह 2007 में निकोल वैदिसोवा के बाद ऐसा हासिल करने वाली पहली 17 वर्षीय खिलाड़ी बन जाएगी। एंड्रीवा ने दुबई चैंपियनशिप में शुरू से लेकर आखिर तक शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फाइनल तक के अपने सफ़र में 2023 की विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना को हराया।

खिलाड़ियों को नियमित खेलने के अधिक अवसर मिले: जो रूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा, लेकिन टीम लगातार चार वनडे सीरीज हारकर टूर्नामेंट में प्रवेश कर रही है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी की जटिलताओं पर खुलकर बात की है।

रूट का मानना है कि वनडे क्रिकेट में सफलता पाने के लिए खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेलने के अधिक अवसर मिलने चाहिए। रूट ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसी दो पारियों के बारे में नहीं सुना जो बिल्कुल एक जैसी रही हों। बल्लेबाजी की कला परिस्थितियों का आकलन करने, दबाव में सही निर्णय लेने और स्थिति के अनुरूप खेलने में है। उनका मानना है कि हर मैच नई चुनौती लाता है और बल्लेबाज को खुद को हर बार नए सिरे से ढालना पड़ता है। इंग्लैंड की वनडे टीम की हालिया विफलताओं के

बावजूद रूट का मानना है कि वह अब भी इस प्रारूप में अधिक सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2023 वनडे विश्व कप में इंग्लैंड का सफर लीग चरण में ही खत्म हो गया था, जिसके बाद उनकी टीम की किस्मत वनडे में गिरावट की ओर गई। इसके बावजूद रूट ने कभी इस प्रारूप को छोड़ने की बात नहीं सोची। उन्होंने कहा, मैंने कभी संन्यास नहीं लिया और न ही यह कहा कि मैं इस प्रारूप में नहीं खेलना चाहता। मुझे लगता है कि किसी भी खिलाड़ी को टीम में चयन का दैवीय अधिकार नहीं होता। आपको अपने प्रदर्शन से इसे साबित करना होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि आप टीम को मजबूत बना रहे हैं, न कि उसे पीछे धकेल रहे हैं।रूट ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 50 ओवर प्रारूप में खेलने और इसमें किस्मत बदलने के लिए अधिक अवसर देने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, आज के समय में खिलाड़ियों को लगातार वनडे खेलने का मौका नहीं मिलता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सफल नहीं हो सकते। हमें इस प्रक्रिया को गति देने का तरीका खोजना होगा, जिसमें स्मार्ट रणनीति और अनुभवों को साझा करने की भूमिका अहम होगी। जब हम बड़े मैचों में निर्णायक क्षणों तक पहुंचें, तो हमें टीम को जीत दिलाने के लिए तैयार रहना होगा। रूट को भरोसा है कि इंग्लैंड के पास इस प्रारूप में फिर से मजबूत होने की क्षमता है। उन्होंने कहा, हमारे पास सही खिलाड़ी और भरपूर प्रतिभा है। हमें बस अपने खेल को बेहतर तरीके से लागू करने और एक मजबूत मानसिकता के साथ खेलने की जरूरत है।

फीडे महिला ग्रां प्री राउंड 5 में सभी मुकाबले ड्रॉ, जीती बाजी हम्पी के हाथ से निकली

मोनाको। फीडे महिला ग्रां प्री 2024-25 के पांचवें दौर में सभी पांच मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि खेल में कोई रोमांच नहीं था। खिलाड़ियों ने कई मौकों पर बढ़त बनाई, लेकिन परिणाम ड्रॉ पर खत्म हुए। अब जब एक दिन के विश्राम के बाद छठा राउंड, और भी ज्यादा संघर्षपूर्ण होने की उम्मीद है।

भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शनः हरिका द्रोणावल्ली ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना के खिलाफ रुई लोपेज़ बर्लिन डिफेंस खेला। हालांकि यह ओपनिंग अपनी मजबूत संरचना के लिए जानी जाती है, लेकिन खेल में गहरी रणनीतिक लड़ाई देखने को मिली। हरिका ने कुछ गलतियाँ कीं, जिससे गोरयाचकिना को बढ़त मिल गई थी, लेकिन उनकी हाथी की एक गलत चाल के बाद वह निर्णायक बढ़त नहीं बना सकी। अंततः खेल ड्रॉ पर समाप्त हुआ। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी कोनेरू हम्पी का मुकाबला चीन की झोंगयी तान से हुआ, जहां उन्होंने नियो-कैटलन डिफेंस अपनाया। खेल के मध्य में हंपी के पास बढ़त बनाने का मौका था, लेकिन 27वीं चाल मे प्यादे की जगह घोड़े को खेलने से उनका आक्रमण कमजोर पड़ गया। इसके बाद खेल बराबर की स्थिति में चला गया और अंततः अंक बांटने पड़े। पांचवें दौर के अन्य परिणामों में जर्मनी की एलिसाबेथ पैहत्ज़ ने कजकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा से, मंगोलिया की बटखुयाग मंगुन्तूल ने रूस की कटेरिना लागनो से स्विट्ज़रलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक ने स्पेन की सरासादात खादेमालशरीह से ड्रॉ खेला और फिलहाल 5 राउंड के बाद रूस की पांचवें कटेरिना लागनो 3.5 अंकों के साथ एकल बढ़त पर बनी हुई हैं, जबकि हंपी कोनेरू, सरासादात खादेमालशरीह और बटखुयाग मंगुन्तूल 3 अंकों के साथ उनके निकट बने हुए हैं।

कतर ओपन में दूसरी बार चैंपियन बने आंद्रे रुबलेव

दोहा। आंद्रे रुबलेव ने अपनी मानसिक दृढ़ता का अच्छा नमूना पेश करते हुए जैक ड्रेपर को तीन सेट तक चले फाइनल मुकाबले में 7-5, 5-7, 6-1 से हराकर दूसरी बार कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। रुबलेव ने तीन दिन में तीसरी बार तीन सेट में जीत हासिल की। रूस के इस खिलाड़ी ने इससे पहले अपने पिछले दो मैचों में एलेक्स डी मिनौर और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के खिलाफ भी दूसरा सेट गंवा दिया था। रुबलेव ने मैच के बाद कहा, ''मैं मानसिक रूप से वास्तव में मजबूत बना रहा और मैंने निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।'' रुबलेव ने इससे पहले 2020 में कतर ओपन का खिताब जीता था। यह पहला टूर्नामेंट है जिसमें वह दूसरी बार चैंपियन बने हैं।

कोहली और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने देना चाहिए: सरफराज अहमद

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद का मानना है कि भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना भविष्य तय करने का अधिकार खुद मिलना चाहिए। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद कप्तान रोहित और अनुभवी बल्लेबाज कोहली के भविष्य पर सवाल उठने लगे। इन श्रृंखलाओं में दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था।

सरफराज ने कहा, 'लोगों को विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बात भी नहीं करनी चाहिए। भारत के लिए उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। विराट कोहली ने भारत के लिए मुश्किल मैच जीते हैं और मैंने उन मैचों को देखा है। आप कल्पना नहीं कर सकते कि उन्होंने भारत के लिए किस तरह का प्रदर्शन किया है। रोहित शर्मा के लिए भी यही बात लागू होती है। जिस तरह से वह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं वह शानदार है। उन्होंने 2023 (वनडे) विश्व कप में टीम का बेहतरीन तरीके से नेतृत्व किया और इसके बाद टी 20 विश्व कप जीता।'

पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि विराट और रोहित सही समय आने पर क्रिकेट को अलविदा कह देंगे, लेकिन तब तक भारत को अपनी टीमें 'उनके आसपास' बनानी चाहिए। सरफराज ने कहा, 'उन्हें खेलने दें और उन्हें तय करने दें कि वे क्या करना चाहते हैं। आपको उनके आसपास ही अपनी टीम बनानी चाहिए। जिस तरह से उन्होंने टी 20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहा उसी तरह से वे अन्य प्रारूपों में भी करेंगे। आपको उन्हें हटाकर टीम नहीं बनानी चाहिए, आपको उन्हें शामिल करके टीम बनानी चाहिए।'

सरफराज ने कहा कि पाकिस्तान को भी इसी तरह बाबर आजम को केंद्र में रखकर टीम तैयार करनी चाहिए। पूर्व कप्तान बाबर भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में हालांकि महज 23 रन पर आउट हो गए। उन्होंने कहा, 'बाबर आजम एक अलग खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि उन्हें (पाकिस्तान) टीम को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि बाबर आजम भारत के लिए विराट कोहली की तरह पूरे 50 ओवर खेल सकें। वह शुरुआत में समय लेते हैं और फिर खेल को आगे बढ़ाते हैं।'

उन्होंने कहा, 'उनका (बाबर का) लक्ष्य किसी पर क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए पूरे 50 ओवर तक खेलने का होना चाहिए। उनके साथ मौजूद दूसरे बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का जिम्मा उठाना चाहिये। सरफराज ने कहा कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करनी चाहिए थी। उन्हें पाकिस्तान के लोगों से काफी प्यार और सम्मान मिलता। उन्होंने कहा, 'मैं आपसे पाकिस्तानी लोगों

का सामान्य दृष्टिकोण साझा करना चाहूंगा। वे भारतीय टीम को पाकिस्तान में देखना चाहते हैं। पाकिस्तान के लोग भारत और उनके क्रिकेटरों से बहुत प्यार करते हैं और वे उनका बहुत सम्मान करते हैं।'

फीडे महिला ग्रां प्री : कटेरिना लागनो की शानदार जीत बनाई एकल बढ़त

मोनाको। फीडे महिला ग्रां प्री 2024-25 के चौथे दौर में रूस की कटेरिना लागनो ने धमाकेदार जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में एकल बढ़त हासिल कर ली है। इस दौर में चार मुकाबले ड्रॉ रहे, जबकि इस दौर की एकमात्र निर्णायक बाजी रूस की कटेरिना लागनो और जर्मनी की एलिसाबेथ पैहत्ज़ के बीच हुई। लागनो ने क्वींस गैम्बिट डिक्लाइंड ओपेनिंग में एक नयी चाल चली, जिससे खेल में शुरुआती बढ़त मिली। खेल के मध्य में एक प्यादे के बलिदान ने काले की रक्षात्मक रणनीति को कमजोर कर दिया इसके बाद पैहत्ज़ को लगातार समय संकट का सामना करना पड़ा और 27वीं चाल के बाद उन्होंने निर्णायक गलती कर दी, जिसके बाद लागनो ने खेल जीतकर टूर्नामेंट में शीर्ष पर पहुंच गईं। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी कोनेरू हम्पी और स्विट्ज़रलैंड की अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक के बीच हुआ मुकाबला सेमी-स्लाव ओपनिंग के साथ शुरू हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने बेहद सटीक खेल दिखाया, जिसमें हंपी ने शुरुआती बढ़त बनाई और 9वीं चाल तक उनके पास 20 मिनट का समय लाभ था। हालांकि, स्थिति संतुलित होने के बाद खेल ड्रॉ की ओर बढ़ गया। इसे ड्रॉ के साथ हम्पी अब 2.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गयी है।

मन की साधना

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

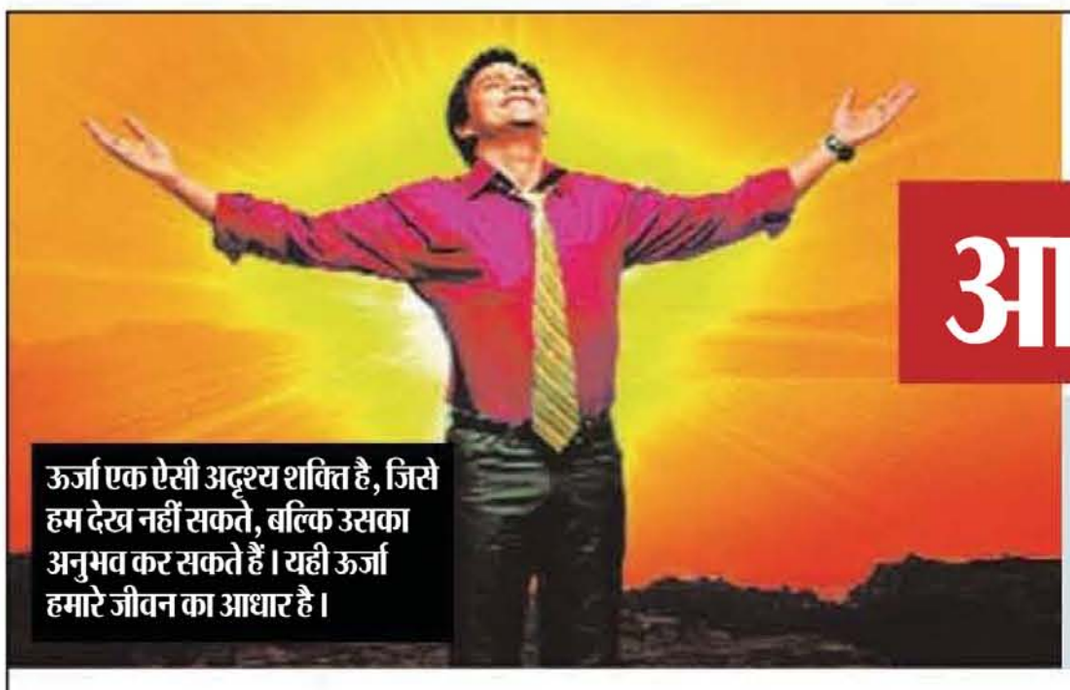

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

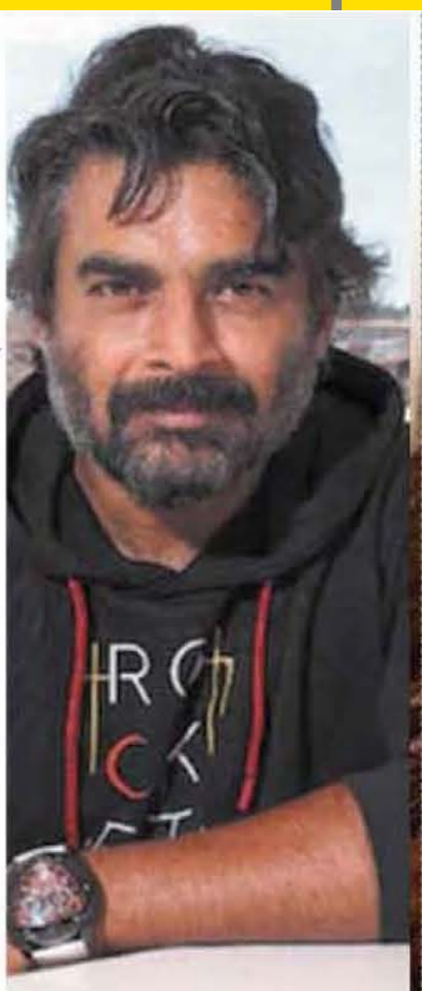

भारत के एडिसन जीडी नायडू का रोल निभाने जा रहे हैं आर. माधवन

आर. माधवन जहां इस वक्त अपनी सीरीज हिसाब बराबर को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं उन्होंने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है और पोस्टर भी शेयर किया है। आर. माधवन अब बायोपिक जीडीएन में नजर आएंगे, जोकि भारत के एडिसन कहे जाने वाले जीडी नायडू की जिंदगी पर आधारित होगी। इस फिल्म में आर. माधवन लीड रोल प्ले करेंगे। आर. माधवन ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। वैसे बता दें कि आर. माधवन इससे पहले फिल्म रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट में वैज्ञानिक का रोल प्ले कर चुके हैं। उन्होंने इसके लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। फिल्म में आर. माधवन ने भारतीय वैज्ञानिक नंबी नारायण का किरदार निभाया था, और खूब वाहवाही बटोरी थी।

आर. माधवन ने शुरू की शूटिंग शेयर किया जीडीएन का पोस्टर

आर. माधवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जीडएन का पोस्टर शेयर किया, और लिखा, आप सभी की शुभकामनाएं और आशीर्वाद चाहिए। फिल्म के पोस्टर में बताया गया है कि इसके इंडिया वाले शेड्यूल की शुरुआत हो चुकी है। फैंस इस फिल्म के लिए एक्साइटेड हो गए हैं और एक्टर को शुभकामनाएं दे रहे हैं। शिल्पा शिरोडकर ने भी आर. माधवन को शुभकामनाएं दी हैं।

जीडीएन में कौन-कौन से सितारे?

इसे कृष्णकुमार रामकुमार डायरेक्टर करेंगे, जो साउथ के डायरेक्टर हैं। जीडीएन में आर. माधवन के अलावा प्रियामणि, योगी बाबू और जयराम नजर आएंगे।

फिल्म जीडीएन गोपालस्वामी दोराइस्वामी नायडू की जिंदगी पर आधारित है। उन्होंने साल 1937 में भारत की पहली इलेक्ट्रिक मोटर का आविष्कार किया था। वह देश के एक नामी वैज्ञानिक थे। इसके अलावा जीडी नायडू ने जूसर, केरोसीन से चलने वाला पंखा, इलेक्ट्रिक रेजर और जूसर का भी आविष्कार किया था। जीडी नायडू को भारत के एडिसन के अलावा मिरैकल मैन भी कहा जाता था। उन्होंने मैकेनिक्स से लेकर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और एग्रीकल्चर के क्षेत्र में अहम योगदान दिया।

मैं यशराज और आदी सर की शुक्रगुजार हूं

भूमि पेडनेकर इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपने करियर में हर रंग की भूमिकाएं की हैं। अपने किरदारों के जरिए महिला मुद्दों को मुखर करने वाली भूमि कई फिल्मों में पत्नी की अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आ चुकी हैं। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी से। इस मुलाकात में पत्नी का रोल निभाने वाली भूमि शादी, विमेन इश्यूज, अपने जीवन के मुश्किल दौर, फिल्म और अपने हीरो अर्जुन कपूर को लेकर खुल कर बातें करती हैं।

आज के दौर में ये भी देखने मिल रहा है कि लोग शादी नहीं करना चाहते, आप मैरिज इंस्टीट्यूशन के बारे में क्या सोचती हैं?

मुझे लगता है कि आज शादी करने के रीजन अलग हो गए हैं। मैं एक लड़की के नजरिए से बता सकती हूं। ऐसा कहा जाता था कि शादी जल्दी करो क्योंकि आपका भविष्य ही शादी है। अब हुआ ये है कि कई लड़कियां आत्मनिर्भर हैं, तो अब ऐसा है कि मैं तो पहले से सेटल हूं, तो अब मुझे जो चाहिए, वो कंपैनियनशिप है। जहां तक मेरी बात है, तो मैं शादी में गहरा विश्वास करती हूं मगर मेरा मानना है कि मैं शादी कंपैनियनशिप के नजरिए से करना चाहूंगी।

क्या आप मानती हैं कि लड़कों की तुलना में लड़कियों पर शादी का प्रेशर ज्यादा होता है?

बिलकुल। अगर आप रेशियो देखने जाएं, तो ये प्रेशर अब भी बहुत ज्यादा होता है। मेरी अपनी सहेलियां हैं, जिन्होंने अर्ली ट्वेंटीज में बहुत यंग एज में शादी कर ली। कइयों की शादियां चली भी नहीं। उन्होंने अपनी शादी में बहुत मुश्किल समय देखा। मगर कई ऐसी भी हैं, जो अपनी मैरिज में बहुत खुश हैं। कइयों ने लेट शादी भी की है और वो भी खुश हैं, तो मुझे लगता है कि इसका सही या गलत जवाब नहीं हो सकता। हर इंडिविजुअल लड़की के लिए शादी अलग हो सकती है क्योंकि हर लड़की की जिंदगी अलग है, उसके सपने अलग हैं। मेरा सिर्फ ये कहना है कि शादी किसी भी लड़की के लिए गले का फंदा नहीं होना चाहिए। शादी में लड़कियों को फ्रीडम मिलनी चाहिए। शादी एक ऐसी संस्था होनी चाहिए जो आपको एम्पावर करे, आपको सक्षम बनाए न कि आपको पीछे खींचे। मगर कहीं न कहीं मुझे लगता है कि आजकल की मॉडर्न लड़कियों में शादी को लेकर एक घबराहट आ गई है।

आपके लिए अब तक का सबसे मुश्किल दौर कौन-सा था?

मुझे लगता है मेरे लिए उससे ज्यादा मुश्किल दौर कोई नहीं हो सकता, जब मैंने अपने पिता को खोया था। ऐसा कठिन वक्त मैं अपनी जिंदगी में दोबारा नहीं देखना चाहूंगी। मेरे पिता कैंसर से चल बसे थे और वो वक्त हमारे परिवार के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि हम भावनात्मक रूप से टूटे हुए थे, आर्थिक रूप से टूट चुके थे। हम वाकई पूरी तरह से टूट चुके थे और ऐसा होता है, जब परिवार के एक सदस्य को किसी ऐसे असाध्य रोग से गुजरना पड़े। हम तब काफी यंग थे। मगर फिर एक खूबसूरत चीज ये हुई कि मुझे यशराज में नौकरी (असिस्टैंट कास्टिंग डायरेक्टर) मिल गई और उस एक नौकरी ने मेरी जिंदगी बदल दी। उसके लिए मैं यशराज और आदी सर (फिल्मकार आदित्य चोपड़ा) की जितनी भी शुक्रगुजार होऊं, कम है। आज जब पलट कर देखती हूं, तो लगता है कि अगर तब वो नौकरी मेरे पास नहीं होती, तो मैं आज यहां नहीं होती।

आपकी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी एक थिएट्रिकल रिलीज है, तो इस बात को लेकर किसी तरह की घबराहट है?

देखिए, छावा चल रही है। स्काई फोर्स भी चली है और सनम तेरी कसम अपनी री रिलीज में अच्छा-खासा बिजनेस कर रही है। मुझे लगता है, साल का दूसरा महीना चल रहा है और फिल्में चल रही हैं, तो इन फिल्मों से एक ऐसा माहौल बन गया है कि लोग थिएटर आकर फिल्में देख रहे हैं। मैं तो बस यही दुआ करूंगी कि लोग हमारी फिल्म देखने भी आएं। फिल्म के बारे में यही कहूंगी कि यह एक मजेदार एंटरटेनिंग फिल्म है और इसमें दर्शकों को मजा जरूर आएगा।

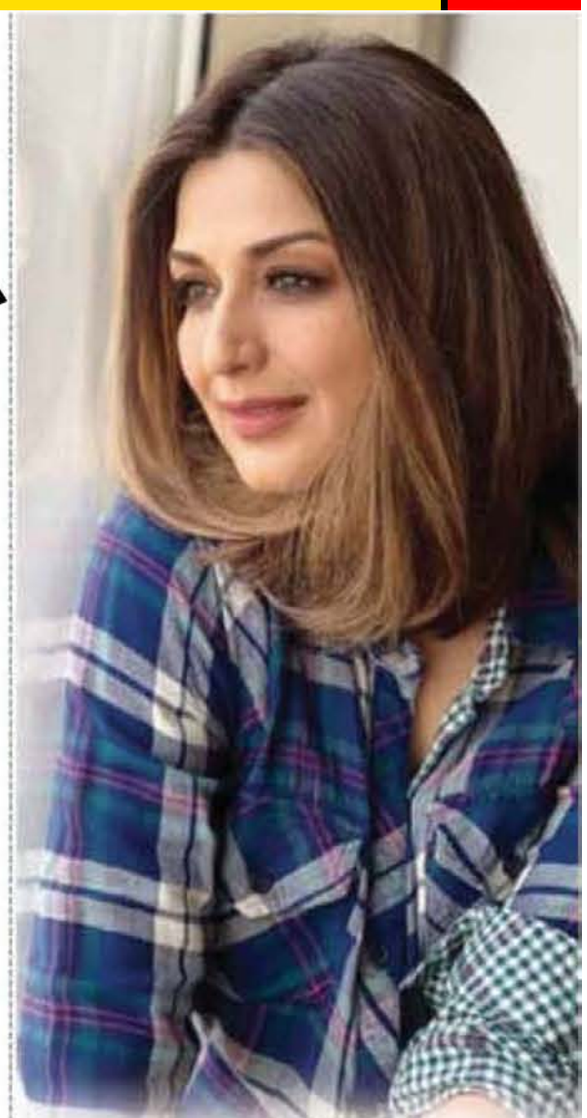

सोनाली बेंद्रे और अली फजल पहली बार आए साथ

जल्द होगा शूट शुरू

सोनाली बेंद्रे को पिछली बार वेब सीरीज द ब्रोकन न्यूज में देखा गया था। अब उनके खाते से एक वेब सीरीज जुड़ गई है और खास बात यह है कि इसमें उनके साथ अली फजल भी लीड रोल में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... प्राइम वीडियो एक नई सीरीज लेकर आ रहा है। यह एक ओरिजनल एक्शन थ्रिलर शो होने वाला है, जिसके लिए मिर्जापुर स्टार अली से संपर्क किया गया है। इसमें अली का एक अलग ही अवतार दर्शकों के बीच आएगा। उनका किरदार उनकी पिछली भूमिकाओं से बिल्कुल अलग होने वाला है। इस सीरीज का नाम फिलहाल सामने नहीं आया है, लेकिन इतना तय है कि इसमें खूब एक्शन और ड्रामा देखने को मिलेगा। सोनाली बेंद्रे भी इस सीरीज का हिस्सा होंगी। वह इसमें एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। यह पहला मौका होगा, जब अली और सोनाली परदे पर साथ दिखेंगे। चर्चा है कि सोनाली के साथ काम करने के लिए अली बेहद उत्साहित हैं। सीरीज की शूटिंग शुरू होने वाली है। प्रोसित रॉय ने इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली है, जिन्होंने पाताल लोक का निर्देशन किया था और जिन्होंने अनुष्का शर्मा की फिल्म चकदा एक्सप्रेस का भी निर्देशन किया है। ट्रायल बाय फायर, बॉम्बे बेगम्स और आर्या जैसी वेब सीरीज बना चुका एंडेमोल शाइन इंडिया अली और सोनाली अभिनीत इस सीरीज का निर्माण कर रहा है। यह पहला मौका होगा, जब अली और सोनाली किसी प्रोजेक्ट में साथ दिखेंगे।

10 अप्रैल को आएगी राजकुमार स्टारर फिल्म भूल चूक माफ

राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म विक्की वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की तारीफ तो हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह औंधे मुंह गिरी। आने वाले समय में राजकुमार एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। भूल चुक माफ भी इन्हीं में से एक है। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी है। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। भूल चुक माफ को 10 अप्रैलको सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना सनी देओल की फिल्म जाट से होगा। बता दें कि भूल चुक माफ के अलावा राजकुमार के पास फिल्म टोस्टर भी है, जिसके निर्देशन की कमान विवेक दास चौधरी ने संभाली है। इसमें उनकी जोड़ी सान्या मल्होत्रा के साथ बनी है। खास बात यह है कि टोस्टर का निर्माण राजकुमार की पत्नी और पत्रलेखा कर रही हैं।

सबा आजाद ने दी पत्रकारिता पर अपनी राय

अभिनेत्री सबा आजाद ओटीटी सीरीज क्राइम बीट में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में सबा एक इनवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट का किरदार निभाने जा रही हैं। ओटीटी प्ले को दिए इंटरव्यू में सबा ने बताया कि क्राइम बीट ने उन्हें पत्रकारिता को लेकर कुछ नया समझने का मौका दिया है। सबा ने कहा कि पत्रकारिता एक बहुत अच्छी फील्ड है, हालांकि यहां काम करने के लिए बहुत जिम्मेदारी से काम करना पड़ता है। इस सीरीज का निर्देशन सुधीर मिश्रा और संजीव कौल ने किया है। पत्रकारिता पर आधारित सीरीज में दिखाया गया है कि कैसे एक गैंगस्टर के प्रभाव के कारण एक पत्रकार के जीवन में बदलाव लाता है। सीरीज में साकिब अली, सबा आजाद के साथ सई ताम्हणकर, आदिनाथ कोठारे और राहुल भट ने भी काम किया है।

सूरज पंचोली ने ली केसरी वीर के लिए की कड़ी ट्रेनिंग

सूरज पंचोली अपनी पहली बायोपिक में वीर हामीरजी गोहिल के ऐतिहासिक किरदार को जीवंत करने जा रहे हैं। सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली अभिनीत फिल्म केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ का टीज़र रिलीज़ हुआ। इस फिल्म से नवोदित अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा भी डेब्यू कर रही हैं। सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ने वाले 14वीं शताब्दी के योद्धा के किरदार में ढलने के लिए सूरज ने जबरदस्त शारीरिक बदलाव किया। उन्होंने विशेषज्ञों की देखरेख में तीरंदाजी, तलवारबाजी और सहनशक्ति अभ्यास की गहन ट्रेनिंग ली। अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए सूरज ने कहा, इस किरदार ने मुझे मेरी सीमाओं से परे धकेल दिया। मुझे ताकत, फुर्ती और सहनशक्ति विकसित करनी पड़ी, ठीक वैसे ही जैसे उस युग के योद्धाओं के पास होती थी। तलवारबाजी सबसे चुनौतीपूर्ण रही, क्योंकि मुझे अलग-अलग युद्ध तकनीकों को सीखते हुए हामीरजी गोहिल की लड़ाई शैली की प्रामाणिकता बनाए रखनी थी। यह पूरी यात्रा बेहद संतोषजनक रही। उन्होंने बताया कि एक सशक्त योद्धा में ढलने के लिए उन्होंने महीनों तक तीरंदाजी, तलवारबाजी और सहनशक्ति अभ्यास किया। उन्होंने युद्ध विशेषज्ञों के साथ घुड़सवारी और हाथ से हाथ की लड़ाई जैसी प्राचीन युद्ध तकनीकों को भी बारीकी से सीखा। इस किरदार के लिए सूरज ने कठोर फिटनेस रूटीन अपनाया, जिसमें ताकत और फुर्ती पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि वे एक्शन दृश्यों को वास्तविकता के साथ अंजाम दे सकें। तीरंदाजी में सटीकता, नियंत्रण और श्वास तकनीक महत्वपूर्ण होती है। मैंने सही स्टांस और लक्ष्यभेदन में महारत हासिल करने के लिए हफ्तों तक प्रशिक्षण लिया। लक्ष्य की दूरी बढ़ाते हुए अभ्यास किया ताकि यह मेरे लिए स्वाभाविक हो जाए, जैसे एक योद्धा के लिए होता। तलवारबाजी में हमने पहले लकड़ी की तलवारों से मूलभूत अभ्यास किया, फिर असली हथियारों पर स्विच किया। मैंने हमले, रक्षात्मक ब्लॉक और कोरियोग्राफ़ किए गए द्वंद्व युद्ध सीखे। इसके अलावा, ताकत बढ़ाने के लिए वेट ट्रेनिंग और प्रतिरोधक व्यायाम किए ताकि लंबे समय तक युद्ध दृश्यों को बिना थके अंजाम दे सकूं। सूरज के लिए यह फिल्म उनके करियर का एक बड़ा अवसर है। वीर हामीरजी गोहिल का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है और मैं उनकी विरासत के साथ न्याय करना चाहता हूं। मैंने इससे पहले किसी भी किरदार से इतनी गहराई से जुड़ाव महसूस नहीं किया। हामीरजी गोहिल की वीरता और बलिदान मुझे प्रेरित करते हैं, और मुझे उम्मीद है कि मैं स्क्रीन पर उनकी कहानी को सही ढंग से प्रस्तुत कर पाऊंगा।

फिल्म चुगलखोर बहुरिया की शूटिंग कर रही हैं रानी चटर्जी

भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी आगामी फिल्म को लेकर जानकारी दी है। इतना ही नहीं उन्होंने फिल्म और पर्दे के पीछे की तस्वीर भी शेयर की है। रानी चटर्जी ने बताया कि वे अपनी फिल्म चुगलखोर बहुरिया की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग किसी खेत में होती नजर आ रही है। रानी ने इस बीटीएस वीडियो में हरे रंग की साड़ी पहन रखी है। उनका देसी लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इससे पहले भी उन्होंने इसी फिल्म की कुछ बीटीएस वीडियो शेयर किए थे। इसमें वे पीले रंग की साड़ी में दुल्हन बनीं नजर आ रही थीं। रानी चटर्जी के बहुरिया अंदाज को फैंस ने बहुत पसंद किया।

स्पोर्ट्स सिटी घोटाले की जांच अब ईडी तथा सीबीआई मिलकर करेंगी: हाईकोर्ट

नोएडा (चेतना मंच)। स्पोर्टस सिटी में हुए 9 हजार करोड़ रूपये के घोटाले की जांच अब केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) करेगा। यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जारी किए हैं।

9000 करोड़ रूपये का लगा था चूना कई बड़े अधिकारी भी शामिल

इलाहाबाद हाइकोर्ट ने नोएडा स्पोर्ट्स सिटी घोटाले में सीबीआई और ईडी जांच का आदेश दिया है। इस मामले में बिल्डरों, कंसोर्टियम, और नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के खिलाफ कथित तौर पर घर खरीदारों के पैसे हड़पने, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों, डेवलपर्स और घोटाले से जुड़े अन्य व्यक्तियों सहित सभी शामिल लोगों के खिलाफ जांच शुरू करने का आदेश दिया है। फैसले में पूरे स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट को भ्रष्टाचार का एक पाठ्यपुस्तक उदाहरण बताया गया।

न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने नोएडा में चार स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं में से तीन को कवर करते हुए दस अलग-अलग फैसले दिए। जिसमें प्रमुख डेवलपर्स और कंसोर्टियम हिस्सेदारों दोनों की जवाबदेही को ठहराया गया। कोर्ट ने लैंड यूज वायलेशन, वित्तीय अनियमितता, दिवालिया कार्यवाही और स्पोर्ट सुविधाओं का पूरा न होने सहित कई अन्य पहलुओं की जांच करने के आदेश दिए। अदालत ने कहा कि उसके पास जांच को सीबीआई को सौंपने के अलावा कोई अन्य रास्ता नहीं है।

कोर्ट ने पाया कि नोएडा प्राधिकरण से महत्वपूर्ण लाभ और रियायतें लेने के बाद भी डेवलपर्स ने अनिवार्य खेल सुविधाओं को बनाने की बजाए केवल व्यावसायिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया। ये ऑर्डर सेक्टर 78, 79 और 101 में स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं से संबंधित हैं। जहां ज़ानाडु एस्टेट प्रमुख डेवलपर है। सेक्टर 150 में दो स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाएं जिसे लॉजिक्स इंफ्रा डेवलपर्स और लोटस ग्रीन्स कंस्ट्रक्शन द्वारा विकसित की गईं। वहीं सेक्टर 78-79 में परियोजनाओं के प्रमुख डेवलपर्स और लॉजिक्स की स्पोर्ट्स सिटी परियोजना वर्तमान में दिवालियेपन की कार्यवाही से गुजर रही है। जिसको कोर्ट ने वित्तीय और कानूनी दायित्वों से बचने के लिए एक जानबूझकर रणनीति करार दिया।

दरअसल, स्पोर्टस सिटी के प्रमुख डेवलपर्स ने याचिका के जरिए नोएडा प्राधिकरण द्वारा लिए जा रहे एक्शन से बचने की मांग कोर्ट से की थी। हाइकोर्ट ने उनके दावों को खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि डेवलपर्स मूल योजना के अनुसार परियोजना का निर्माण नहीं कर सके। इनसाल्वेंसी को देनदारी से बचने के लिए ढाल बनाते रहे। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के पास लंबित बकाया वसूलने और कानूनी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। साथ ही राज्य सरकार को वित्तीय कुप्रबंधन और धोखाधड़ी की आगे की जांच शुरू करनी चाहिए।

बता दे सीएजी ऑडिट में स्पोर्ट्स सिटी आवंटन में बड़ी वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा किया था। जिससे नोएडा प्राधिकरण और राज्य सरकार को 9000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। ऑडिट में पाया गया कि डेवलपर्स को जमीन कम कीमत पर दी गई। डेवलपर्स द्वारा नोएडा प्राधिकरण को साइड लाइन करते हुए स्वामित्व का अनधिकृत हस्तांतरण किया गया। लीज प्रीमियम, जुर्माना और ट्रांसफर चार्ज तक नहीं दिए गए। साथ ही खेल के बुनियादी ढांचे के पूरा न होने के बावजूद अधिभोग प्रमाण पत्र जारी किए गए थे।

कोर्ट ने कहा कि सीएजी रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। फिर भी न तो नोएडा प्राधिकरण और न ही राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने या बिल्डरों से बकाया वसूलने जैसी कोई कार्रवाई की। उठाया गया एकमात्र कदम डेवलपर्स को भुगतान की मांग के लिए नोटिस भेजा गया था। जिस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण और राज्य के अधिकारियों को उनकी निष्क्रियता और मिलीभगत के लिए फटकार लगाते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों में प्राधिकरण में कई बड़े अधिकारी आए और गए लेकिन किसी भी अधिकारी ने चिंता नहीं जताई या घाटे की भरपाई करने का प्रयास नहीं किया।

हर्ष फायरिंग पर नोएडा पुलिस सख्त, जारी की गाइडलाइन

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में पिछले कुछ दिनों में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग की

घटनाओं पर नोएडा पुलिस कमिश्नरेट सख्त कदम उठाने जा रही है। हर्ष फायरिंग की एक घटना में ढ़ाई साल के मासूम बच्चे की मौत हो चुकी है जबकि रविवार रात सूरजपुर थाना क्षेत्र में आई बारात में हुई हर्ष फायरिंग में दो हलवाईयों को गोली लगी है जिनका उपचार चल रहा है।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार एवं डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी के पर्यवेक्षण में सेन्ट्रल नोएडा जोन के सभी थाना क्षेत्रों में आने वाले व्यवसायिक प्रतिष्ठानो में शादी समारोह व अन्य अवसरो पर होने वाले अपराध, हर्ष फायरिंग, चोरी, मारपीट, बिना लाइसेंस शराब का सेवन, लाउड म्यूजिक व वाहनो की पार्किंग समस्या को लेकर समस्त व्यवसायिक प्रतिष्ठानो के संचालक/स्वामियों को नोटिस जारी करते हुए नियम व शर्तो का अनुपालन करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये है। नोएडा पुलिस ने चेतावनी दी है कि शादियों में अगर हर्ष फायरिंग हुई तो संचालकों व स्वामियों के खिलाफ कानून कार्यवाही की जाएगी।

नोएडा पुलिस की गाइड लाइन

1.कार्यक्रम के दौरान शस्त्र के साथ सामान्य प्रवेश पूर्णतया वर्जित रहे। शस्त्र प्रदर्शन व हर्ष फायरिंग की घटना होने पर शस्त्र धारक के साथ-साथ प्रतिष्ठान स्वामी/संचालक की जिम्मेदारी तय करते हुए वैधानिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

2.प्रतिष्ठानो के फायर सिस्टम चालू अवस्था में हो तथा फायर अलार्म का स्विच ऑफ न किया जाये।

3.विद्युत सुरक्षा को ध्यान में रखा जाये।

4.आयोजन स्थल के पास पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था हो, वाहन रोड अथवा बिना पार्किंग एरिया में पार्क न कराये जायें ताकि मार्ग अवरुद्ध होकर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

5.बिना अनुमति/लाइसेंस शराब का सेवन न करायें।

6.अतिथियो से अनुरोध करें कि शराब का सेवन कर कोई भी वाहन न चलाये तथा ट्रैफिक नियमो का अनुपालन करें।

7.सीसीटीवी कैमरे रिकार्डिंग क्षमता के साथ अवश्य लगाये जाये ताकि कोई आपत्तिजनक घटना घटित होने की स्थिति स्पष्ट हो सके एवं साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की जा सके।

8.डी0जे0/लाउडस्पीकर उपयोग के सम्बन्ध में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

9.यदि पुलिस सहायता की आवश्यता है तो सम्बंधित थाने अथवा डॉयल-112 पर सूचना दें।

डूब क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही तेज करें: मनीष कुमार वर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर की बैठक हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर औद्योगिक विकास प्राधिकरण शहर है, जिसमें विभिन्न कारखाने, प्रतिष्ठान, मॉल, भवन एवं ऊंची-ऊंची इमारते हैं। जनपद में भूकंप के संवेदनशीलता के दृष्टिगत जोन-4 में आता है। जनपद में भूकंप और अग्निकांड की घटनाओं से जन सामान्य को सुरक्षित करने के लिए पूर्व तैयारियों के संबंध में एवं आगामी माह में हीट वेब चलने की प्रबल संभावनाएं के दृष्टिगत कार्य योजना तैयार करने के लिए एवं विभिन्न आपदाओं के प्रभाव को न्यून करने के लिए जनपद स्तर पर संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा निरंतर प्रयास सुनिश्चित किये जा रहे हैं।

जिलाधिकारी द्वारा बैठक की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत बहुमंजिली इमारतों/वाणिज्यिक संस्थानों में भूकंप से बचाव एवं रोकथाम के लिए समुचित निर्देश अपने अधिनस्थ समस्त संबंधित अधिकारियों को जारी करें एवं निरंतर पर्यवेक्षण किया जाए कि अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा अनुपालन किया जा रहा है अथवा नहीं। किसी भी फर्म/कारखानों के द्वारा अनुपालन नहीं करने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न औद्योगिक कारखानों/प्रतिष्ठानों की समीक्षा करते हुए विगत वर्षों के आंकड़ों के आधार पर अग्निकांड की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से गठित जांच समिति को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

जिलाधिकारी ने जनपद में अत्यधिक भीड़ एकत्रीकरण वाले प्रमुख धार्मिक/सामाजिक आयोजनों के दौरान अनियंत्रित भीड़/भगदड़ के कारण संभावित जनहानि की रोकथाम के लिए प्रभावी भीड़ प्रबंधन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को सूचनाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने डूब क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही तेज करने के भी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, डीसीपी अशोक कुमार सिंह, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानन्द मिश्र, उप जिला अधिकारी सदर चारूल यादव, उप जिला अधिकारी दादरी अनुज नेहरा, जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

टॉप-10 अपराधियों की सूची दें शासकीय अधिवक्ता : डीएम

कहा- पॉस्को व महिला उत्पीड़न मामलों का जल्द हो निस्तारण

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में शासकीय अधिवक्ताओं के साथ अभियोजन कार्यो की समीक्षा करते हुए शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि पास्को एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरण को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री बहुत ही गंभीर हैं। पास्को एवं महिला उत्पीड़न संबंधित प्रकरणों में जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने की कार्रवाई की जाए।

उन्होंने शासकीय अधिवक्ता को निर्देशित किया कि टॉप-10 अपराधियों की सूची उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने शासकीय अधिवक्ताओं को यह भी कहा कि पास्को एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित जो भी प्रकरण है, उनका सूचीकरण करते हुए समयबद्ध तरीके से उनका निराकरण कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर शासकीय अधिवक्ता गणों कहा कि सभी अधिवक्ता अभियोजन कार्यो को नियोजित करते हुए संपादित करें ताकि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सरकार के हित में संभव हो सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे तथा शासकीय अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

सपा ने लगाई पीडीए की पंचायत

नोएडा (चेतना मंच)। सपा नोएडा महानगर द्वारा सेक्टर 81 ग्राम सलारपुर में सुभाष भाटी, योगेश भाटी

और अमित भाटी के नेतृत्व में पी डी ए पंचायत का आयोजन किया गया जबकि सेक्टर 10 में मनीष गोयल और बाबूलाल बंसल के नेतृत्व में पी डी ए पंचायत का आयोजन किया गया।

महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि पीडीए पंचायत के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को समाजवादी पार्टी में जोड़ने का काम किया जा रहा है। वह संगठन को मजबूत करने का काम किया जा रहा है। महासचिव विकास यादव ने कहा कि पी डी ए पंचायत में लगातार समाजवादी पार्टी को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है यह दर्शाता है कि वर्तमान सरकार से लोग परेशान हैं। विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान व प्रदेश सचिव जय करण चौधरी ने कहा कि आज व्यापारी वर्ग गलत टैक्स के चक्कर में परेशान है। उन पर हर तरीके से कर्ज बढ़ता जा रहा है। कार्यक्रम में गजराज नेताजी, सुभाष भाटी, योगेश भाटी, अमित भाटी, विकास यादव,जयकरण चौधरी रेशपाल अवाना, कवित गुर्जर, चिंटू त्यागी, संजू चौधरी, कुलदीप कसाना, मनोज गोयल, रामवीर यादव, अनुराग यादव, मुन्ना आलम, शालिनी खारी महिला सभा अध्यक्ष, दिव्यांश चौधरी, शेखर यादव,राहुल यादव आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जेबीयू के नए कुलपति बने प्रो राणा प्रताप सिंह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह होंगे। कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ओर से उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। प्रो. राणा प्रतिष्ठित कैंसर वैज्ञानिक के नाम से मशहूर हैं।

प्रो. राणा ने जेएनयू से कैंसर बायोलॉजी में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के इविंग क्रिश्चियन कॉलेज से बीएससी और जेएनयू से एमएससी किया है। वे कोलोराडो विश्वविद्यालय में शोधकर्ता और सहायक प्रोफेसर के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह होंगे। कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ओर से उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। प्रो. राणा प्रतिष्ठित कैंसर वैज्ञानिक के नाम से मशहूर हैं।

महाकुम्भ में बॉलीवुड और अध्यात्म का अद्भुत मिलन

महाकुम्भनगर (ब्यूरो)। भारतीय संस्कृति के सबसे बड़े आयोजन महाकुम्भ 2025 में बॉलीवुड और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार अक्षय कुमार ने सोमवार को जहां एक ओर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की तो वहीं एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने भी स्वामी चिदानंद सरस्वती के आश्रम में पहुंचकर सनातन संस्कृति के पावन पर्व की सुखद अनुभूति प्राप्त की। महाकुम्भ में बॉलीवुड सितारों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि चाहे आप किसी भी पेशे में हों, आध्यात्मिक शांति और संतुलन अत्यंत आवश्यक है।

अक्षय कुमार बोले- अद्भुत व्यवस्था, पुलिस और कर्मचारियों को धन्यवाद

संगम में स्नान करने के बाद बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने कहा कि मैंने खूब आनंद लिया। इस बार की व्यवस्था बहुत शानदार है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इतनी बेहतरीन व्यवस्था करवाई। 2019 के कुम्भ में लोगों को काफी दिक्कतें होती थीं, लेकिन इस बार सब कुछ बहुत सुव्यवस्थित है। अंबानी और अदानी समेत बड़े उद्योगपति, बड़े सितारे यहां आ रहे हैं, जिससे महाकुम्भ की भव्यता और बढ़ गई है। इस अवसर पर उन्होंने पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत से ही यह आयोजन इतना सफल हो पाया है।

कटरीना कैफ का आध्यात्मिक अनुभव

बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री कटरीना कैफ ने भी महाकुम्भ में आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव किया। उन्होंने परमार्थ निकेतन शिविर में स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी से भेंटवार्ता की। इस अवसर पर उन्हें भगवान शिव की मूर्ति और रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया गया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि जब बॉलीवुड जैसी लोकप्रिय इंडस्ट्री के सितारे महाकुम्भ में आते हैं, तो यह युवाओं को धर्म और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करता है। यह संदेश देता है कि आध्यात्मिकता केवल साधु-संतों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग हो सकती है।साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा कि युवा पीढ़ी को यह समझना चाहिए कि अध्यात्म सिर्फ बुजुर्गों या साधु-संतों के लिए नहीं है। जब कटरीना कैफ जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियां महाकभ में आती हैं, तो यह हमारे युवाओं को अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

सोनाली बेंद्रे ने पवित्र संगम में लगाई आस्था की डुबकी

इस बीच, बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे भी अपने परिवार के साथ महाकुम्भ 2025 में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंचीं। उन्होंने त्रिवेणी संगम में

पवित्र स्नान कर आस्था और अध्यात्म का अनुभव किया। संगम में स्नान के बाद सोनाली बेंद्रे ने कहा कि महाकुम्भ में आकर उन्हें अपार शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ। उन्होंने इस दिव्य आयोजन में शामिल होकर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता को और करीब से महसूस किया।